# छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 312 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 10 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com


# लखनपुर-उदयपुर क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

## कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ

**छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा मंगलवार को उनके विधानसभा क्षेत्र लखनपुर और उदयपुर में करोड़ों रुपए की लागत से तैयार विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। विकास कार्यों में तेजी लाई जा रही है और हर आवश्यक परियोजना को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाएगा। बिनकरा में सरस्वती शिशु मंदिर भवन का भूमि पूजन मंगलवार को मंत्री जी ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत बिंकड़ा में सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। मंत्री अग्रवाल ने अपने निधि से 20 लाख रुपए की राशि भवन निर्माण हेतु प्रदान की। इस अवसर का विशेष आकर्षण रहा। गांव के ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पसिंदर राजवाड़े के पूरे परिवार द्वारा स्कूल के लिए लगभग 50 डिसमिल भूमि का दान, जिसकी सभी ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और स्वयं मंत्री जी ने प्रशंसा की।

ग्रामीणों ने इसे गांव एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐतिहासिक योगदान बताया।

### गुमगरा खुर्द में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

इसके बाद मंत्री जी ने गुमगरा खुर्द प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के पूरे स्टाफ को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, खासतौर पर रात्रिकालीन सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, स्टाफ अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान एवं सतर्क रहें।

### ग्राम पंचायत लाटोरी में पुलिया निर्माण का भूमि पूजन

आगे मंत्री जी ग्राम पंचायत लाटोरी पहुंचे, जहाँ 5 लाख रुपए की लागत से बनने वाली पुलिया के निर्माण का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उदयपुर क्षेत्र में 11.86 करोड़ रुपये के उच्च स्तरीय पुल का कार्य उदयपुर विकासखंड के अंतर्गत चैनपुर-खमरिया मार्ग पर रेहंड नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य के लिए 11 करोड़ 86 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के दर्जनों गांवों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

### किसानों के लिए बड़ा आश्वासन ‘सरकार खरीदेगी एक-एक दाना’

अपने उद्बोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदेगी और उचित मूल्य प्रदान करेगी। किसी भी समिति में यदि किसी कर्मचारी द्वारा किसान से अवैध वसूली, परेशानी या अनुचित व्यवहार की शिकायत मिलती है तो उसके लिए टोल-फ्री नंबर शुरू कर दिया गया है। शिकायत मिलते ही संबंधित व्यक्ति पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर राजेंद्र जायसवाल, दिनेश साहू, राकेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, अखंड विधायक सिंह एवं प्रबोध सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# दस हजार रुपये लूट के बाद फिरौती की मांग, तीन आरोपी गिरफ्तार

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** झाड़फूंक करने के बहाने ले जाकर 10 हजार रुपये लूटने और फोन करके फिरौती मांगने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार हीरा सिंह पिता शिव शिवबचन उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़गांव का रहने वाला है। इसकी पत्नी ठाकुर भाई की तबीयत खराब है। 7 दिसंबर को सुखसाय पंडा हीरा सिंह को झाड़ फूंक करने की बात कह कर लुचकी घाट ले गया, जहां सुखसाय ने अपने साथियों के साथ मिलकर हीरा सिंह का 10 हजार रुपये लूट लिया और उसे जाने दिया। कुछ देर बाद सुखसाय पंडा के साथियों ने सुखसाय के मोबाइल से हीरा सिंह को फोन कर सुख साय को छोड़ने के लिए 50 हजार रुपये फिरौती मांगी। हीरा सिंह 8 दिसंबर को मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी सुख साय गिरी पिता स्व. सोहन गिरी 40 वर्ष, शेरा गिरी पिता कामेश्वर गुरु 20 वर्ष, विनय गिरी पिता सलाम गिरी 28 वर्ष, सभी निवासी थाना बतौली को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सभी ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 309(2), 308(2), 3, (5), 238, 61 बीएनएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

### सुनियोजित तरीके से बनाई योजना

आरोपी सुखसाय पांडा ने अपने साथी शेर गिरी, विनय गिरी के साथ मिलकर लुट एवं स्वयं के अपहरण का ढोंग करते हुए हीरा सिंह से फिरौती की रकम मांगने की पूरी योजना पहले ही बना ली थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं 500 रुपये नकदी जब्त किया है।

# पेशी से घर लौटने के बाद युवक ने फांसी लगाकर किया खुदकुशी

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** कोर्ट से पेशी से लौटने के बाद युवक ने घर में आकर अज्ञात कारण से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के दौरान घर में परिजन नहीं थे। सभी एक दशकर्म कार्यक्रम में गए थे। जानकारी के अनुसार आकाश सिंह 24 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के सतीपारा का रहने वाला था। सोमवार को घर में कोई नहीं था। परिजन दशकर्म कार्यक्रम में रिश्तेदार के घर गए थे। आकाश का किसी मामले में कोर्ट में पेशी था। सोमवार की शाम करीब 5 बजे आकाश पेशी से घर लौटा और कमरे में फांसी लगा लिया। इसी दौरान परिजन घर पहुंचे तो वह फंदे पर लटका था। फांसी से उतारकर स्वजन उसे तत्काल निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।


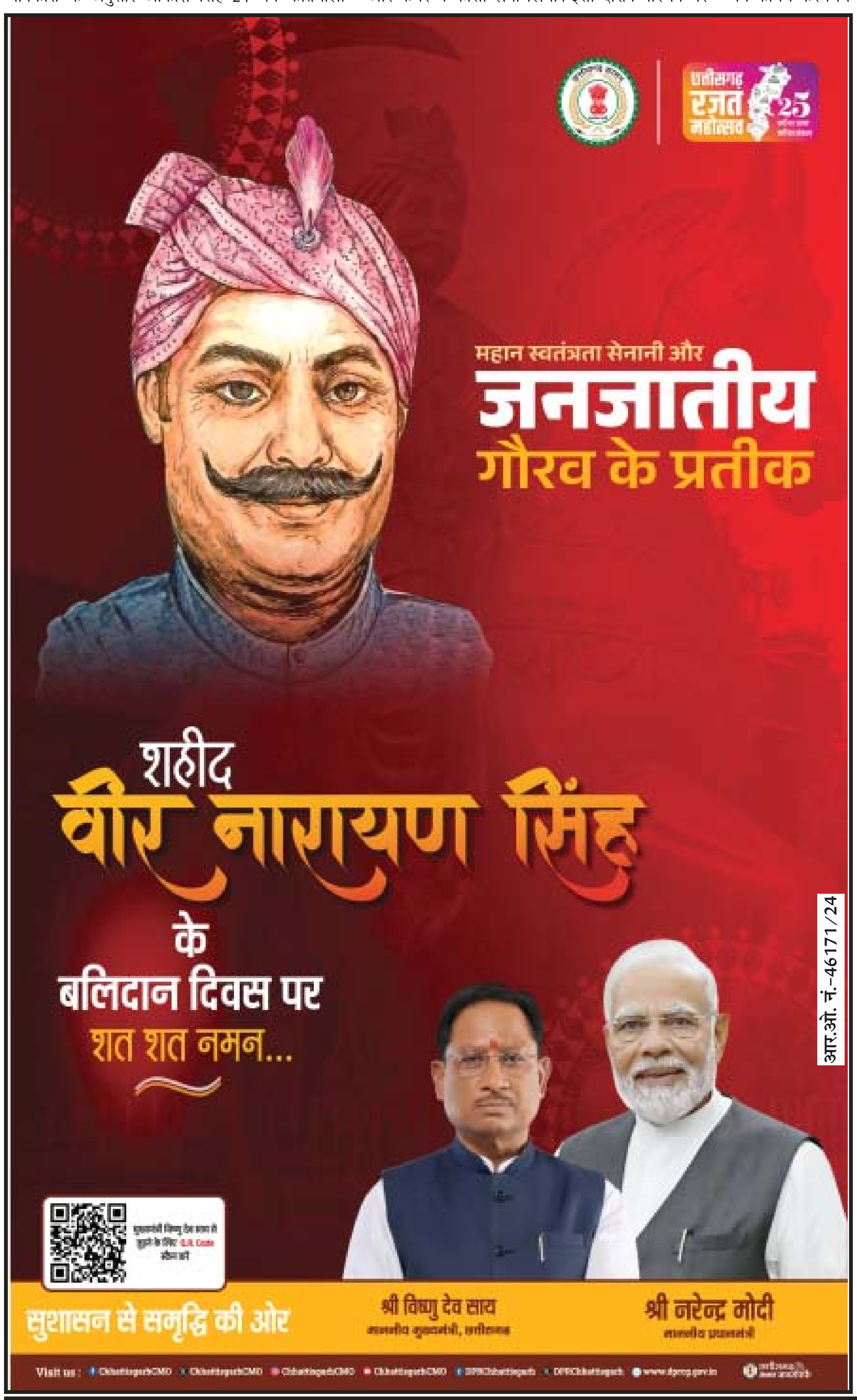



### करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शहर के घुटरापारा में हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से मजदूर की मौत हो गई। वह एक व्यक्ति के घर पुट्टी का काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार बहुरन राम पिता ईश्वर राम 27 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कंठी का रहने वाला था। वह मजदूरी का काम करता था। 8 दिसंबर को पुट्टी का काम करने कोतवाली थाना क्षेत्र के घुटरापारा निवासी सूरज के घर गया था। वह काम कर रहा था। दूसरे तल पर पानी पीते समय घर से समीप से गुजरे 23 हजार केवीए हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही वह गिर गया, उसे बाइक में बैठाकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### मेडिकल शिक्षा और उपचार को मिलेगी मजबूती

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** डॉ. ऋषभ गुप्ता ने जीएमसी में नेफ्रोलॉजी प्रक्रियाओं की सफल शुरुआत पर संतोष व्यक्त किया और बताया कि लक्ष्य जिले में

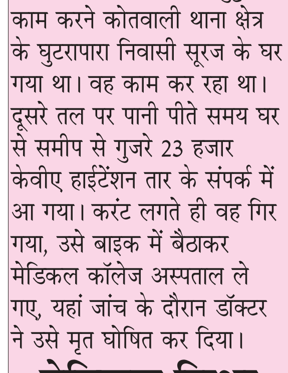

समग्र किडनी उपचार सेवाओं जैसे डायलिसिस, नियमित रीनल क्लिनिक और रोगों की शीघ्र पहचान को मजबूत करना है। जीएमसी के डॉक्टरों और प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि इससे मेडिकल शिक्षा और उपचार दोनों को मजबूती मिलेगी। इस उपलब्धि के साथ, सीएमसी अंबिकापुर अब उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए एक उन्नत तृतीयक उपचार केंद्र बनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गया है।

# सुनीता भारद्वाज को कलेक्टर एवं एसएसपी ने कर्तव्यनिष्ठा और साहस के लिए किया सम्मानित

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** अमेरा कोल परियोजना भूमि अधिग्रहण मामले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और ग्रामीण जनों को शांति एवं संयम बरतने की समझाइश देने में प्रशासन और पुलिस अमला लगातार सक्रिय रहा। उस दौरान ग्रामीणों के पथराव के बीच अदम्य साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट परिचय देने वाली महिला थाना प्रभारी सुश्री सुनीता भारद्वाज को आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर विलास भोसकर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने सम्मानित किया। कलेक्टर विलास भोसकर ने सुश्री भारद्वाज की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में दिशा-निर्देश भले ही उच्च स्तर से दिए जाते हों, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन मैदान में तैनात अधिकारी ही करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस धैर्य, साहस और कुशलता से महिला थाना प्रभारी ने संवेदनशील परिस्थिति को संभाला, वह प्रशंसा योग्य है। कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को सम्मानित करना गर्व की बात है और इससे अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को भी प्रेरणा मिलती है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कहा कि पुलिस का मूल दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस ट्रेनिंग के दौरान जवान धैर्य और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य के निर्वहन की शपथ दिलाई जाती है। सुश्री सुनीता भारद्वाज ने चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जिस संयम, साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया, वह पुलिस विभाग के लिए गौरव की बात है। यह सम्मान उनके अदम्य साहस और कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है।

सम्मान प्राप्त करते हुए सुश्री सुनीता भारद्वाज ने कहा कि जब कोई अपने दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाता है तथा वरिष्ठों अधिकारियों द्वारा उसे सराहा और सम्मानित किया जाता है, तो सभी कठिनाइयां क्षणभर में छोटी प्रतीत होती हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान आगे भी दृढ़ता के साथ कर्तव्य पालन की प्रेरणा देगा। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सुश्री सुनीता भारद्वाज को बधाई देते हुए उनके कार्य को प्रेरणादायक बताया।

# सरगुजा पुलिस मितान द्वारा ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** सरगुजा पुलिस मितान द्वारा छात्रों में साइबर जागरूकता, सामाजिक मुद्दों और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए एक ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क है और सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों के छात्रों के लिए खुली है। प्रतियोगिता का उद्देश्य साइबर अपराध, सोशल मीडिया जोखिम, महिला और बच्चों की सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव और यातायात नियमों की जागरूकता जैसे विषयों पर जागरूकता बढ़ाना। छात्रों को इन मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना और कला के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना। प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से स्नातकोत्तर स्तर के छात्र शामिल हो सकते है। विषय है साइबर क्राइम और साइबर जागरूकता, महिला और बाल सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव, ट्रैफिक नियम और जागरूकता। शामिल होने के लिए प्रतिभागी अपने द्वारा तैयार किए गए चित्र की स्पष्ट फोटो ईमेल या व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं। ईमेल- socialsurguja@gmail.com व्हाट्सएप +91 92010 91042। आखिरी तिथि 12 दिसंबर 2025 तक प्रविष्टियाँ 12 दिसंबर 2025 तक स्वीकार की जाएँगी। चयनित चित्रों की एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा चयनित प्रतिभागियों को सरगुजा पुलिस की ओर से भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

# अवैध धान परिवहन व अंतर्राज्यीय चेक पोस्टों रखें विशेष निगरानी : कलेक्टर

★ समय-सीमा की बैठक संपन्न ★ पीएम आवास योजना अंतर्गत आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में धान खरीदी, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य, नल-जल योजना, राजस्व प्रकरणों के निराकरण के प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री कटारा ने सभी अधिकारियों को पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने अब तक की गई धान खरीदी की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अंतर्राज्यीय चेक पोस्टों पर विशेष निगरानी रखने, सघन जांच करने तथा अवैध धान परिवहन पर हर स्तर पर कड़ी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि किसी भी धान खरीदी से संबंधित केंद्र प्रभारी या कर्मचारी अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने धान खरीदी से सबंधित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को सक्रियता एवं मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा ग्रामीणों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा आधार है, इसलिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में चिन्हित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास

योजना ग्रामीण की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी गंभीरतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वाहन करें। उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत लक्ष्यात्मक आवास को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में आवासों की प्रगति धीमी है, वहाँ नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीएम जनमन अंतर्गत स्वीकृत आवासों को भी समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा ताकि लाभार्थी सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधा का लाभ शीघ्र प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सामुदायिक, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की भी जानकारी ली।

कलेक्टर श्री कटारा ने प्रधानमंत्री आवास शहरी के लंबित आवासों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों के आवास अभी तक अपूर्ण हैं, उन्हें प्राथमिकता में रखते हुए पूरा कराए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को आवास पूरी करने के लिए प्रेरित करें। स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एएनसी पंजीयन के संबंध में गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने आयुष्मान कार्ड, वयवंदन कार्ड के संबंध में जानकारी लेते हुए प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नल जल योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी जल प्रदाय योजनाएँ निर्धारित समय पर संचालित हों ताकि लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल सके। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग अंतर्गत पशुओं के टीकाकरण को जानकारी ली। उन्होंने निर्धारित रूट चार्ट अनुसार मोबाइल वेटनरी यूनिट को संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन, डायवर्सन सहित राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने को कहा। कलेक्टर ने कोषालयीन प्रकरणों की भी जानकारी ली।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# कोल कर्मचारियों का बढ़ाया वेरिएबल डियरनेस अलाउंस

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** कोल इंडिया लिमिटेड ने देशभर के लाखों वेज बोर्ड कर्मियों के लिए साल के अंतिम महीनों में बड़ी सौगात दे दी है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही का वेरिएबल डियरनेस अलाउंस जारी करते हुए कर्मचारियों के वेतन में 23.60 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच यह फैसला मजदूरों के लिए राहत की बड़ी राहत है। क्षेत्रीय स्तर पर भी इस घोषणा से कोयला क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। महंगाई की मार झेल रहे मजदूरों के लिए यह बढ़ोतरी बहुत अहम मानी जा रही है। भारत की ऊर्जा रीढ़ कहे जाने वाले कोयला कर्मियों ने पिछले कुछ महीनों में बढ़ती कीमतों से अपनी आर्थिक स्थिति डगमगाती देखी थी। ऐसे में कोल इंडिया द्वारा घोषित यह नई वेरिएबल डियरनेस अलाउंस दरें सीधे उनके घर के बजट को सहारा देंगी। ज्ञात हो कि कोल इंडिया हर तीन महीने में एआईसीपीआई के आधार पर वेरिएबल डियरनेस अलाउंस हर तीन महीने में संशोधित करती है। जुलाई से सितंबर तक के उपभोक्ता सूचकांक में भारी उछाल दर्ज किया गया, जिसके आधार पर नई वेरिएबल डियरनेस अलाउंस दरें तय की गई हैं। ये नई दरें 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेंगी। कंपनी मुख्यालय कोलकाता से जारी आदेश में महाप्रबंधक गौतम बनर्जी ने सभी सहायक कंपनियों व क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि संशोधित वेरिएबल डियरनेस अलाउंस का भुगतान तत्काल प्रभाव से किया जाए।

# रोजगार दिवस श्रमिकों को मिली तकनीकी जानकारी

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के 94 ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस मनाने के साथ लोगों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार अवसरों के बारे में भी अवगत कराया गया।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में मनरेगा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण प्रावधानों को सरल रूप से जानकारी ग्रामीणों को दी गई। हर ग्राम पंचायत में लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत पूरी जानकारी कैसे प्राप्त की जा सकती है इसकी व्यवहारिक प्रक्रिया कर समझाई गई। श्रमिकों को सलाह दी गई कि वे अधिक से अधिक मांग पत्र जमा कर अपने ही गाँव में रोजगार सुनिश्चित करें। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ सभी श्रमिकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए गए। ''मोर गांव-मोर पानी'' अभियान अंतर्गत जल संरक्षण के विविध कार्य डबरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, जल संग्रहण संरचनाएँ और अन्य संसाधन विकास कार्य के चयन और क्रियान्वयन पर भी ग्रामीणों को विस्तारपूर्वर्क बताया गया। आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त स्थलों एवं हितग्राहियों के चयन की विस्तृत प्रक्रिया बताई गई। आगामी वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना के लिए युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से कार्य योजना तैयार करने की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं को बांटे गए साइकिल

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** शासकीय आजाक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर में आज कक्षा नवमी में अध्ययन करने वाली 132 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एसएमडीसी अध्यक्ष श्यामा पांडेय, वरिष्ठ नागरिक तोलाराम जैन, नगर पंचायत बिश्रामपुर अध्यक्ष निर्मला यादव, उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, पूर्व नपं अध्यक्ष राजेश यादव, भगवान मिश्रा, रितेश जायसवाल, मंडल अध्यक्ष कैलाश सिरदार के अलावा स्कूल के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य, अमर कुमार जैन, राजवंत सिंह, गौरीशंकर पांडेय व अन्य उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ. रेखा लाल ने किया।

# झूमरपारा में कोल परिवहन से क्षतिग्रस्त सड़क निर्माण कराने की मांग

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** ग्राम पंचायत झूमरपारा में मंदिर चौक से करंजी रेलवे साइडिंग तक सड़क निर्माण कराए जाने भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामानंद जायसवाल ने डिप्टी सीएम अरुण साव को ज्ञापन दिया है।

गौरतलब है कि सोमवार को अल्प प्रवास पर सुरजपुर जिले में आए डिप्टी सीएम अरुण साव को दिए ज्ञापन में भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामानंद जायसवाल ने उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत झूमरपारा में मंदिर चौक से करंजी रेलवे साइडिंग की एकांकी सड़क पर कोल परिवहन कार्य होने की वजह से सड़क की स्थिति इन दिनों काफी जर्जर व दयनीय हो गई है। आलम यह है कि उक्त मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को खासी परेशानी होती है और राहगीर यहां पर हमेशा किसी अनहोनी की आशंका में सहमे हुए रहते हैं। यहां पर बदहाल सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं। ऐसी स्थिति में यहां पर पुन: सड़क निर्माण कार्य कराए जाने की स्वीकृति हेतु मांग की गई है।

# कोल परिवहन पर रोक से क्षुब्ध वाहन मालिकों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** करंजी साइडिंग में करीब दस दिनों से ग्रामीणों द्वारा बंद कराए गए कोल परिवहन को पुन: बहाल कराए जाने मंगलवार को वाहन मालिकों ने कलेक्टर जनदर्शन में ज्ञापन दिया है।

कलेक्टर जनदर्शन में दिए ज्ञापन ट्राला संघ द्वारा उल्लेख किया गया है कि पिछले दिनों 1 दिसंबर से कुछ लोग खुद को जनप्रतिनिधि बताकर निजी फायदे के लिए कोल परिवहन को रोकने का खेल कर रहे हैं। नतीजा यह है कि पूरा क्षेत्र एक बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कोल परिवहन रोक देने से मिनी हाईवे जैसी दिखने वाली सड़क अब पहियों की कतार से जाम हो चुकी है। यहां पर करीब सौ से अधिक कोल परिवहन के वाहन फंसे हुए हैं। 200 से ज्यादा ड्राइवर-खलासी भी फंसे हुए हैं, जिससे अब उनके समक्ष भूखों मरने की नौबत आ गई है। साथ ही सड़क पर वाहनों की लंबी कतार से दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि ट्रकों की यह लाइन 3 किलोमीटर तक फैल गई है और कई जगह सड़क इतनी पतली हो जाती है कि दोपहिया चलाना भी मुश्किल हो जाता है। ज्ञापन में बड़ा आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग ग्रामीणों का नाम का ढाल बनाकर अपने निजी स्वार्थ के लिए परिवहन रोक रहे हैं। ज्ञापन देने पहुंचे वाहन मालिकों ने कहा कि सैकड़ों ट्रक रुके हैं, किस्तें चल रही हैं, गाड़ियां बंद तो बैंक का नोटिस आएगा, ड्राइवर-खलासी भूखे बैठे हैं और सड़क पर खतरा अलग है। कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में मांग किया गया है कि हमारी गाड़ियों को तुरंत खाली कराई जाए और बाधा उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से समीर सिंह, संदीप, केशव, चंदन सिंह, सरफराज, पिंडर यादव, रंजीत यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

# कैलेण्डर वर्ष 2026 के लिए स्थानीय अवकाश घोषित

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज श्री राजेन्द्र कटारा ने सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग 02 के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कैलेण्डर वर्ष 2026 के लिए जिले में निम्न तिथियों को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। कलेक्टर श्री कटारा द्वारा जारी आदेश में 14 जनवरी 2026 दिन मंगलवार को मकर संक्रांति/पोंगल, 22 सितम्बर 2026 दिन मंगलवार को ढोल ग्यारस (करमा) तथा 11 नवम्बर 2026 दिन बुधवार को भाईदूज के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। उक्त स्थानीय अवकाश कोषागार/उप कोषागारों तथा बैंकों के लिए लागू नहीं होगा।

# उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में 22 हजार से अधिक शिक्षार्थी हुए शामिल

राष्ट्व्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा में दिखा उत्साह

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 07 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक राष्ट्व्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया।

जिले में महापरीक्षा अभियान हेतु पंजीकृत 19120 महिला एवं 8434 पुरुष कुल-27554 शिक्षार्थियों के लिए 573 परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। जिला परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा ने जानकारी दी है कि 07 दिसम्बर को आयोजित परीक्षा में कुल 22619 शिक्षार्थी महापरीक्षा में शामिल हुए। जिसमें 15 हजार 817 महिला, 06 हजार 801 पुरुष शामिल रहे।

ऐसे शिक्षार्थी जिनका पूर्व में पढ़ना लिखना अभियान अंतर्गत प्रमाणीकरण नहीं हुआ, जिनके द्वारा मोहल्ला साक्षरता केन्द्र में पढ़ाई किया गया अथवा जो परीक्षार्थी उत्साह पूर्वक परीक्षा लिखने आये परीक्षा में अधिक उम्र के पुरुष एवं महिला शिक्षार्थी भी सम्मिलित हुए हैं। इसी प्रकार पीर मोहम्मद उम्र 60 वर्ष (पति) एवं सैमुल खातून उम्र 59 वर्ष (पत्नि) दोनों के द्वारा एक साथ बैठकर

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान की परीक्षा में शामिल होने हेतु पंजीकृत किए गए वे उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत 07 दिसम्बर 2025 को आयोजित राष्ट्व्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा में सम्मिलित हुए। विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा केन्द्र जिला जेल रामानुजगंज में मनाया गया जिसमें कुल 68 बंदी शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। विकास खण्ड रामचन्द्रपुर के परीक्षा केन्द्र पूर्व माध्यमिक शाला छतरपुर में सास-बहू की जोड़ी द्वारा एक साथ परीक्षा दिया गया। रहीसा खातून उम्र 61 वर्ष (सास) एवं रबीना खातून उम्र 27 वर्ष (बहू) दोनो सास-बहू परीक्षा दिया गया।

विकास खण्ड स्तर पर राष्ट्व्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा को सफल बनाने के लिए टीम बनाकर मॉनिटरिंग किया गया। आने वाले समय में सफल शिक्षार्थियों को शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने एवं उनके कौशल विकास किये जाने पर जोर दिया जाएगा।

# संस्कृति और संस्कार आने वाली पीढ़ी को बताना है आवश्यक

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** हिंदू जन जागरण समिति मंडल बिश्रामपुर द्वारा हिंदू महासंगम कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय दशहरा मैदान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रेमशंकर सिदार क्षेत्र प्रचारक मध्य क्षेत्र केंद्र जबलपुर थे। अन्य अतिथियों में पंडित धनेश्वर दुबे, मातृशक्ति अमृता जायसवाल, संरक्षक तोलाराम जैन व संयोजक संजयन पाणिकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म अनुरूप हिंदुओं में जन जागरण की भावना जागृत करने, पुरातन संस्कृति को अपने तथा संस्कृति को आने वाली पीढ़ी को सहेजने खातिर देने के लिए बताया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में करमा, सुआ सहित वीर शहीदों की झांकी आयोजित की गई। कार्यक्रम में माध्यमिक शाला रुनियाडीह, हायर सेकेंडरी स्कूल रामनगर, सेजेश विश्रामपुर, हायर सेकेंडरी कन्या स्कूल बिश्रामपुर सहित जयंती भगत एवं साथियों की टीम, कोईलीपाट गोपालपुर तथा मां महामाया करमा दल कांसापारा जयनगर द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। मुख्य वक्ता प्रेमशंकर सिदार ने कहा कि हमें पुरातन संस्कृति अनुरूप संस्कृति एवं

संस्कार को आने वाली पीढ़ी हेतु बच्चों को सौंपनी है, ताकि यह संस्कार हमारे बच्चों में जीवित रह सके। इसके लिए हमें विशेष कार्य करने की आवश्यकता है। अगर आज हम अपनी संस्कृति को नहीं बचाएंगे तो आने वाले समय में हमें कोई महत्व नहीं देगा अर्थात हमारा समाज में कोई अस्तित्व बचता हुआ नहीं दिखेगा। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अधिक से अधिक कार्य करने चाहिए ताकि वृक्षों का संरक्षण और संवर्धन हम सुनिश्चित कर सकें। आने वाले भविष्य के लिए हम स्वच्छ वायु और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध करा सकें। मंच से अमृता जायसवाल और पंडित धनेश्वर दुबे द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के छायाचित्र के सम्मुख पूजन अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज प्रमुखों में सिख समाज से दलजीत सिंह, उत्कल समाज से सेनापति प्रधान, राजवाड़े समाज से हुकुम साय राजवाड़े, क्षत्रिय समाज से इंजी. विनय सिंह, विश्वकर्मा समाज से अनुज विश्वकर्मा, अग्रवाल समाज से ललित गोयल, यादव समाज से रामाश्रय यादव, केरला समाज से जी. विजी, जायसवाल समाज से बनारसी लाल जायसवाल, उरांव समाज से जयंती भगत, गोंड समाज से शिवमंगल सिंह, स्वर्णकार समाज से राधे कृष्ण सोनी, हलवाई समाज से रामवृक्ष गुप्ता, कुम्हार समाज से भागवत प्रजापति, सूर्यवंशी समाज से विजय कुर्रे, पनिका समाज से जगमोहन मानिकपुरी, साहू समाज से दीपक साहू, ब्राह्मण समाज से कृष्ण चंद्र मिश्रा, बंगाली समाज से मलय नंदी, नाई समाज से राजेंद्र ठाकुर, कुशवाहा समाज से रविशंकर बउवा, केशरवानी समाज से राजकुमार केशरवानी सहित विभिन्न मंदिरों के पुजारियों सहित विभिन्न ग्रामों के बैगाओं को शाल- श्रीफल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम देने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीमांचल त्रिपाठी तथा महेंद्र कुमार लांडेय तथा आभार शशि नान्हू कोषाध्यक्ष हिंदू जन जागरण समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय शर्मा, संजय भारत, राजेश कुमार अग्रवाल, सत्यम गर्ग, महेश गुप्ता, आनंद शर्मा व अन्य सक्रिय रहे।

# करंजी रेलवे साइडिंग पर बड़ा पर्यावरणीय शिकंजा, सीईसीबी ने जारी किया नोटिस

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** चर्चित करंजी रेलवे साइडिंग एक बार फिर विवादों और प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गई है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने 8 दिसंबर को क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर से नोटिस जारी करते हुए रेलवे साइडिंग को सीधे-सीधे बंद करने की चेतावनी दी है। ज्ञात हो कि यह नोटिस जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 की धारा 33(ए) और वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981 की धारा 31(ए) के तहत जारी किया गया है। ज्ञात हो कि गत दिनों 5 दिसंबर को राजस्व विभाग और पर्यावरण अधिकारियों ने करंजी रेलवे साइडिंग का संयुक्त निरीक्षण किया था। निरीक्षण में जो बातें सामने आईं, उन्होंने पूरे क्षेत्रीय प्रशासन को चौंका दिया है। यहां पर निरीक्षण के दौरान साइडिंग बिना वैध कंसेंट टू ऑपरेट चल रही थी। धूल नियंत्रण की कोई व्यवस्था नहीं पाई गई थी, इस लापरवाही से आसपास के गांवों में धूल प्रदूषण की समस्या बढ़ने की शिकायत लंबे समय से उठ रही थी। नोटिस में पर्यावरण बोर्ड ने स्पष्ट रूप से लिखा है कि साइडिंग को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। बिजली एवं अन्य सभी सुविधाएं तुरंत काट दी जाए।बिना वैध अनुमति के पुन: संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।बोर्ड ने साइडिंग संचालक को 15 दिनों का समय दिया है कि वह अपनी आपत्तियां दाखिल करे और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करे।यदि तय समय में जवाब नहीं मिलता तो बोर्ड सीधे बंदी आदेश लागू कर देगा। बिजली-पानी की आपूर्ति रोक दी जाएगी और आगे कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।स्थानीय स्तर पर इस नोटिस की खबर फैलते ही कोल परिवहन कंपनियां, वाहन मालिक, ठेकेदार और आसपास के ग्रामवासियों में सरगर्मी बढ़ गई है। यदि साइडिंग बंद होती है तो जिले में कोल डिस्पैच और सामग्री परिवहन पर बड़ा असर पड़ सकता है। पर्यावरण क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर बोर्ड ने स्पष्ट संकेत दिया है कि बिना पर्यावरण अनुमति, धूल नियंत्रण और सुरक्षा मानकों के कोई भी संचालन स्वीकार्य नहीं होगी।

# बेदखली की कार्रवाई पर भड़का विवाद, पथराव से हालात तनावपूर्ण, तीन घर ढहे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। अतिक्रमण हटाने राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई, विरोध में हंगामा 3 घरों पर चला जेसीबी शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर मंगलवार को बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर में तनावपूर्ण हालात देखने को मिले। राजस्व विभाग द्वारा भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निमार्णों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान दो घरों को जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। वहीं तीसरे घर को तोड़ने की तैयारी होते ही विवाद की स्थिति बन गई और स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार राजस्व विभाग को लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि स्थानीय स्कूल की शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर अवैध निर्माण कर लिया गया है। इस संबंध में विभाग द्वारा कई बार नोटिस जारी किए गए थे। साथ ही अतिक्रमणकारियों को भूमि खाली करने के लिए समझाइश भी दी गई थी। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद आजक तहसीलदार के नेतृत्व में बेदखली की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान जब दो अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया, तब स्थिति नियंत्रण में रही; लेकिन तीसरे घर पर कार्रवाई शुरू होते ही घर के अंदर से कुछ महिलाओं द्वारा पत्थर फेंके जाने लगे, जिससे मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभालते हुए तनाव बढ़ने से रोका। हालांकि विरोध के कारण कुछ देर के लिए कार्रवाई रोकनी पड़ी। सैकड़ो लोग के द्वारा अतिक्रमण के कार्यवाही के विरोध में चक्का जाम कर दिया गया था घंटो चक्का जाम रहा एसडीएम आनंद नेताम ने बताया कि संबंधित भूमि पूरी तरह से शासकीय स्कूल की है। विभाग द्वारा बार-बार नोटिस देने और समझाइश के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया था, जिससे मजबूरन बेदखली की कार्रवाई करनी पड़ी। घटना के बाद क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। राजस्व विभाग आगे भी शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने अभियान जारी रखने की तैयारी में जुटी हुई है।

# कुष्ठ उन्मूलन के लिए सर्वे दल घर-घर पहुंचकर करेंगे लोगों की जांच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पी.एस. मार्को के निदेर्शानुसार जिला कुष्ठ अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मार्गदर्शन में जिले में 08 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक सघन कुष्ठ खोज अभियान का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम की शुरूआत सोमवार को कुष्ठ जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखा कर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पी.एस. मार्को ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी विकासखण्डों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चयनित सर्वे दल द्वारा घर-घर जा कर सभी व्यक्तियों का कुष्ठ के लक्षणों के आधार पर जांच किया जाएगा। कुष्ठ के संभावित आने पर उस व्यक्ति का चिकित्सा अधिकारी के द्वारा सुनिश्चित कर उपचार प्रारंभ किया जाएगा। जिला कुष्ठ अधिकारी के द्वारा बताया गया है कि कुष्ठ कोई छुआ छुत की बीमारी नहीं है, यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने से उसके संपर्क में आने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से हो सकती है। कुष्ठ का ईलाज संभव है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इससे घबराए नहीं जांच दल आने पर अपना जांच अवश्य करवाएं।

# पैथोलॉजी रिपोर्ट में पैथोलाजिस्ट के मूल हस्ताक्षर ही होंगे मान्य, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में पैथोलेब में बिना पैथोलाजी डाक्टर या दूसरे जिले में निवास कर रहे डॉक्टर पैथोलाजिस्ट का स्कैंड सिग्नेचर कापी पेस्ट कर रिपोर्ट जारी करने सम्बन्धी शिकायत प्राप्त होने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एस मार्को ने जिले में संचालित समस्त निजी नर्सिंग होम, हॉस्पिटल, मेटरनिटी होम, निजी पैथोलेब, डायग्नोस्टिक सेंटर, कलेक्शन सेंटर, क्लीनिक संचालकों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि संस्थान मे होने वाले समस्त लैब जांच पैथोलाजिस्ट की देख रेख में संपादित हों तथा पैथोलाजिस्ट के मूल हस्ताक्षर से ही रिपोर्ट जारी किये जाये। उन्होंने कहा है कि सूचना पश्चात भी डिजिटल हस्ताक्षर से रिपोर्ट जारी किये जाने पर छ.ग. राज्य उपचयार्गृह तथा रोगोपचार सबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2010 के अन्तर्गत कार्यवाही की अनुशंसा की जाएगी जिसकी समस्त जवाबदारी संचालक की होगी। उन्होंने संस्था में कार्यरत पैथोलाजिस्ट का नाम 07 कार्यालयीन दिवस में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने निर्देशित किया है।

## गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी पत्र के परिपालन में कलेक्टर सरगुजा द्वारा जिले में गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर 18 दिसंबर 2025 को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस दौरान जिले में संचालित समस्त देशी समस्त देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान, विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकान, प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान, संलग्न अहाता, एफ.एल.8 एवं मद्य भाण्डागार पूर्णतः बंद रहेगा। इस दिन मदिरा का विक्रय, परिवहन एवं परोसना पूर्णतः बंद रहेगा।

# महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। आज शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय में 'पेशेवर नैतिकता, मानवीय मूल्य और लैंगिक संवेदनशीलता' पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विनीत गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर रहे, जिन्होंने प्रोफेशनल एथिक्स पर अत्यंत प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किया। शिवम्पटेल, अतिथि व्याख्याता, ने मानवीय मूल्यों के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। शालिनी कुजूर तथा डॉ. अनुराधा गुप्ता (अतिथि व्याख्याता) ने महिला सशक्तिकरण विषय पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. तोयज शुक्ला द्वारा किया गया, जबकि सहयोगी के रूप में सेमन्त मिश्रा उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं उद्देश्यमूलक बना।

# भालू के हमले से बुजुर्ग घायल, गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर मचाया उत्पात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़। छत्तीसगढ़ में जंगली जानवरों का हमेशा खौफ रहता है। जंगली जानवरों का हमले के कारण कई लोगों की मौत भी हो गई है। राज्य के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अलग-अलग गांवों में भालू का आतंक देखने को मिला है। मंगलवार सुबह मनेंद्रगढ़ शहरी क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक कर लौट रहे एक बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले से बुजुर्ग को चोट आई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। इसके अलावा दो शावकों के साथ एक भालू वनवासी कन्या छात्रावास में घुस गई। भालू को देखकर छात्राएं डर में इधर उधर भागने लगी। हॉस्टल के अंदर भालू ने जमकर उत्पात मचाया है। हालांकि भालू ने किसी पर हमला नहीं किया।

## घायल बुजुर्ग का इलाज जारी

पहली घटना जिले के शहरी इलाके में हुई है। यहां के वार्ड नंबर 17 के रहने वाले दिलबरण प्रसाद सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। मॉर्निंग वॉक से जब वह लौट रहे थे उसी दौरान एक भालू ने उनपर अचानक हमला कर दिया। भालू का हमला होता ही उन्होंने शोर मचाया। जिसके बाद मौके पर लोग पहुंच गए जिसके बाद भालू वहां से भाग गया। भालू के हमले में घायल हुए दिलबरण प्रसाद को मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने दिलबरण के परिवार को जानकारी दी। परिवारवाले मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बताया कि शहरी इलाका होने के बाद अक्सर यहां सुबह और शाम जंगली जानवर आ जाते हैं।

## हॉस्टल में घुसा भालू

बुजुर्ग पर हमला करने के बाद थोड़ी देर बाद भालू अपने दो शावकों के साथ एक गर्ल्स हॉस्टल के अंदर घुस गया। यहां उसने जमकर उत्पात मचाया।

# डुडुंगजोर में सुरक्षित पारा सुरक्षित लइका मन कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षित पारा सुरक्षित लईका मन 3.0 कार्यक्रम का आयोजन गुरूकुल महाविद्यालय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार यादव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राजेश्वर प्रसाद यादव, सुश्री सोनू मंडल सहायक प्राध्यापिका शिक्षा संकाय, सुश्री मोनिका तिग्गा, सहायक प्राध्यापिका भूगोल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवका की उपस्थिति में ग्राम पंचायत डूडुंगजोर में व्यापक ग्राम संपर्क एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में रासेयो इकाई के स्वयं सेवकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की अभियान के दौरान स्वयं सेवकों द्वारा ग्राम पंचायत डूडुंगजोर के बच्चों, अभिभावकों एवं लोगों को दैनिक जीवन से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषय पर जागरूक किया गया। इस दौरान हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक हिंसा, भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसे संवेदनशील मुद्दे शामिल थे। ग्रामीणों तक प्रभावी संदेश पहुंचाने के लिए नारे एवं स्लोगन के माध्यमा का उपयोग किया। प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र तथा ग्राम के आम नागरिकों ने उत्साह पूर्वक इस कार्यक्रम में सहभागिता अपनायी और इसे सकारात्मक रूप से सराहा गया। इस अभियान में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ का सहयोग और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय योजना के 35 स्वयं सेवकों ने भाग लिया तथा नुक्कड नाटक के माध्यम से स्वच्छता एवं संतुलित आहार पर आर्कषक प्रस्तुति देकर यह संदेश दिया कि हम स्वच्छ रह कर एव संतुलित आकार ग्रहण कर कुपोषण जैसी समस्या से निजात पा सकते हैं एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाकर अपने जीवन को सुखमय एवं शान्ति प्रिय बना सकते है। इस कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार यादव ने ग्रामीणों को हाथ धुलाई एवं स्वच्छता पर शपथ दिलाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राजेश्वर प्रसाद यादव ने संतुलित आहार के माध्यम से बौद्धिक एवे शारीरिक विकास के महत्व को बताया कि हम बिना संतुलित आहार के स्वस्थ नहीं रह सकते एवं सुश्री सोनू मंडल सहायक प्राध्यापिका शिक्षा संकाय वर्तमान समय में हो रहे लैंगिक भेदभाव के विषय पर लोगों को जागरूक किया और बताया कि स्त्री एवं पुरुष दोनो समान रूप से सामाजिक-आर्थिक कार्यों को सम्पन्न करते हुए एक संवृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र निमार्ण में महत्वपूर्ण योगदान देते है। अन्त में मोनिका तिग्गा सहायक प्राध्यापिका भूगोल ने बेटी बचाओ एवं बेटी पढ़ाओं का संदेश देकर भ्रूण हत्या जैसी कुंठित समस्या के निजात का कारण बताकर कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

# किसान योगेन्द्र कुशवाहा हुए धान उपार्जन केन्द्रों की पारदर्शी व्यवस्था से संतुष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

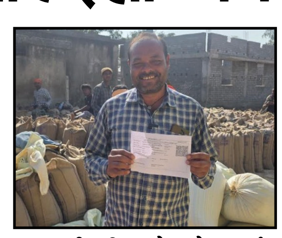

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था और डिजिटल सुविधाओं से किसानों को लाभ मिल रहा है। अम्बिकापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोहगा के प्रगतिशील किसान योगेन्द्र कुशवाहा ने धान खरीदी पर संतुष्टि जाहिर करते हुए अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि उनका कुल 216 क्विंटल धान रकबा है। डिजिटल सुविधा के तहत उन्होंने तंहर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे ही पहला 100 क्विंटल का टोकन काट लिया। उन्होंने कहा कि ऐप के जरिए तिथि चयन की सुविधा से उन्हें उपार्जन केन्द्र बार-बार नहीं जाना पड़ा और टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई। टोकन के अनुसार जब वे करजी धान उपार्जन केन्द्र पहुंचे, तो समिति कर्मचारियों ने पूरी सहायता प्रदान की। नमी परीक्षण के बाद तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया गया और पूरी तौल प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिल रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में बढ़ा सुधार आया है। योगेन्द्र ने कहा कि इस राशि से वे खेती का विस्तार करने के साथ ही अपना मकान बनाने का कार्य कर पा रहे हैं। किसान योगेन्द्र ने धान खरीदी व्यवस्था से पूर्ण संतुष्टि व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री तथा जिला प्रशासन का आभार माना। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे धान विक्रय की प्रक्रिया सुगम, सरल और पारदर्शी बन गई है।

# सकारात्मकता की ओर अग्रसर करती है गीता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महामना मालवीय मिशन सरगुजा द्वारा गीता पाठ एवं आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन राजस्व निरीक्षक संतोष उपाध्याय के डी.सी.रोड स्थित श्री सदन में किया गया। प्रारंभ में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। गीता के अध्याय 12 का महात्म्य वर्णन तथा संस्कृत एवं हिंदी में अर्थ सहित श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। संगोष्ठी की शुरूआत में दुर्गा प्रसाद तिवारी ने गीता की महिमा बताते हुए कहा कि गीता हमें हर परिस्थिति में जीने की कला सिखाती है। भक्ति योग ईश्वर प्राप्ति का सरल मार्ग है। ईश्वर के प्रति समर्पण और अनन्य भक्तिभाव रखने से भगवान उनके कुशल क्षेम का ख्याल स्वयं रखते हैं। पण्डित रामनारायण शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण और अर्जुन के मध्य संवाद गीता के रूप में संदेहों का नाश करने के लिए रामबाण के समान है। यह हमें सदैव सद्कर्म के लिए प्रेरित करती है। पेंशनर्स समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मिशन के सेक्रेटरी जनरल जयप्रकाश चौबे ने गीता के द्वादश अध्याय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भक्ति और ज्ञान योग के महत्व को समझाया। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, डॉ जी.के. अग्रवाल, रणविजय सिंह तोमर, आचार्य अजय तिवारी ने भी गीता पर सारगर्भित विचार व्यक्त किया। प्रकाश कश्यप, ऋचा पांडेय, पुष्पा पांडेय, सविता उपाध्याय आदि ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। संतोष उपाध्याय ने नैतिक तथा आध्यात्मिक उत्थान के लिये इस तरह के आयोजनों आवश्यकता पर बल देते हुए आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन राजनारायण द्वेदी ने तथा आभार प्रदर्शन हरिशंकर सिंह ने किया। इस मौके पर सतीश मिश्रा, शान्ति मिश्रा, अंजू उपाध्याय, तनय उपाध्याय, लक्ष्य उपाध्याय, सर्वेश पांडेय, देवांश पांडेय, आकृति उपाध्याय, मुकुन्दलाल साहू तथा बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

# मशीन ऑपरेटर के 300 पदों पर भर्ती हेतु प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर द्वारा 19 दिसम्बर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस प्लेसमेंट कैंप में निजी नियोजक संस्था योकोहामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संचालक ममता गायकवाड़ उपस्थित रहेंगी। प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से मशीन ऑपरेटर के 300 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता बी.ए., बी.कॉम, बी.एस.सी., आई.टी.आई. निर्धारित है। योग्य अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 17,500/- वेतन दिया जाएगा। यह भर्ती केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए खुली है। प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होने के लिए रोजगार कार्यालय में अभ्यर्थी का जीवित पंजीयन अनिवार्य है। यह कैंप पूर्णतः निःशुल्क है तथा नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों की जिम्मेदारी नियोजक की होगी। रोजगार कार्यालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा। जिले की इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी अपने साथ शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 19 दिसम्बर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे के मध्य जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुर में आयोजित प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

# उल्लासपूर्वक मनाया गया सिगमा पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सलोन, राय बरेली। सिग्मा पब्लिक स्कूल मेजरगंज रायबरेली में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताएं दो दिन तक निरंतर हुई जिसमें विद्यालय के समस्त प्रतिभावान छात्रों द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।सिग्मा पब्लिक स्कूल का परिसर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर तालियों और जयकारों से गूंज उठा। इस कार्यक्रम में एस. एस. आई. सदाकुल सरोज जी ने बच्चों को पुरस्कार देकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाया और बच्चों को भविष्य के प्रति मार्गदर्शन दिया। एस . आई . महफूज अली जी ने विजेताओं का मनोबल बढ़ाया और बच्चों को शिक्षा एवं अन्य शिक्षण गतिविधियों के प्रति उत्साहित रहने की प्रेरणा दी। प्रधान , ग्राम पंचायत झकराशी दिनेश कुमार यादव एवं प्रत्याशी सदस्य , जिला पंचायत ,राही तृतीय सौरभ सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कयाम सर ने शारीरिक फिटनेस के लिए नए सिरे से उत्साह पैदा किया। एम.डी. मो० अफसर ने भी बच्चों का मनोबल बढ़ाया एवं सभी अतिथियों का शुक्रिया अदा किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों पर गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा, जो मैदान पर दिए गए पदकों और ट्रॉफियों से कहीं अधिक है। प्राइमरी विंग में रेस में तन्वी ने पहला स्थान, आरिस ने दूसरा स्थान और अखंड ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। और जूनियर विंग गर्ल्स रेस में निशि ने पहला स्थान, पायल ने दूसरा स्थान और उन्नति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर विंग बॉय कबड्डी में दिव्यांशु की टीम ने विजय प्राप्त की। प्रतिभागियों के नाम दिव्यांशु की टीम के संजीव, शानू, साहिल, यश प्रताप सिंह, प्रतीक, प्रियांशु और गर्ल्स सीनियर विंग में आकृति (कप्तान), अनामिका, नैन्सी, महक, अंशिका, शिफा, माही, निशि आंचल, अल्फिया ने मिलकर कबडडी फाइनल में विजय प्राप्त की। रस्साकशी, लंबी कूद, ऊंची कूद, खो-खो, धागा निडल दौड़, जलेबी दौड़ आदि में भी बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। वाइस प्रिंसिपल राघवेंद्र कुमार, सुमित सर, प्रियंका वर्मा , सीमा यादव , काजल , अनामिका सिंह तथा उत्कर्ष शर्मा आदि समस्त सिगमा पब्लिक स्कूल के स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

## सम्पादकीय

# इंडिगो अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं में सुधार लाए

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस को एक बड़े परिचालन संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उसकी हजारों उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। लाखों यात्री प्रभावित हुए हैं। एयरपोर्ट पर रेलवे स्टेशन जैसे हालात दिखाई दे रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण पायलटों और क्रू की कमी, नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों का प्रभाव, और तकनीकी खामियां बताई जा रही हैं। एफडीटीएल नियमों के तहत पायलटों के उड़ान घंटों में कटौती और विश्राम अवधि में वृद्धि की गई है, जिससे इंडिगो को अचानक क्रू की कमी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, एयरलाइन की नियोजन और मानव संसाधन प्रबंधन में कमियों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। फिलहाल डीजीसीए ने जांच शुरू की है और एयरलाइन को सुधारात्मक उपाय प्रस्तुत करने को कहा है। वहीं, एफडीटीएल नियमों में अस्थायी छूट भी दी है, ताकि एयरलाइन क्रू की कमी को दूर कर सके। सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए एयरलाइन को तत्काल रिफंड जारी करने, फेयर कैप लगाने और यात्रियों को राहत देने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद हजारों यात्री रोजाना परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इस केंद्रीय विमानन मंत्रालय ने बताया कि रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ रुपये का रिफंड कर दिया है। साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3,000 से ज्यादा बैगेज भी लौटा दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट पूरी क्षमता के साथ उड़ान भर रही हैं। इंडिगो का यह संकट न केवल एक एयरलाइन की विफलता है, बल्कि यह नियामकीय ढांचे और मानव संसाधन प्रबंधन की कमियों को भी उजागर करता है। सरकार और नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और यात्रियों के अधिकारों की रक्षा हो सके। साथ ही, इंडिगो को अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं में सुधार लाना होगा और क्रू की कमी को तत्काल दूर करना होगा। पिछले करीब छह दिनों से चल रही इस हड़ताल के कारण हजारों यात्री फंसे, उड़ानें रद्द होने से यात्रा योजनाएं बिगड़ीं और कई को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सोशल मीडिया पर यात्रियों की नाराजगी और सरकार से कार्रवाई की मांग उठी। इंडिगो के सामने आने वाली मुश्किलें केवल उसके परिचालन हिस्से तक सीमित नहीं हैं। यह कहीं गहरे जाकर उस संरचना से टकराती हैं, जिस पर पूरा विमानन उद्योग टिके होने का दावा करता है। भारत जैसा तेजी से विकसित होता बाजार लगातार नए यात्रियों को जोड़ रहा है, लेकिन उस गति से एयरलाइन कंपनियों, हवाई अड्डों, तकनीकी प्रणालियों और मानव संसाधनों ने खुद को तैयार नहीं किया। परिणामस्वरूप, जैसे-जैसे उड़ानों का दायरा बढ़ा, वैसे-वैसे हर छोटे व्यवधान का असर बड़ा और व्यापक होता गया। इंडिगो के मामले में यह असर सबसे ज्यादा दिखाई दिया क्योंकि उसके बेड़े और नेटवर्क का आकार बाकी एयरलाइनों की तुलना में कहीं विशाल है। छोटे व्यवधान भी बड़े पैमाने पर यात्रियों को प्रभावित करते हैं। इंडिगो का संकट हमें याद दिलाता है कि विमानन सिर्फ आसमान में उड़ने की कहानी नहीं, बल्कि ज़मीन पर की गई सूझबूझ भरी तैयारियों का परिणाम है। यह क्षण इंडिगो के लिए चेतावनी भी है और सुधार का अवसर भी और उद्योग के लिए भविष्य की दिशा तय करने का समय भी है।

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

# चुनौतियों के बावजूद विकास दर बढ़ी

भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है।

हाल ही में सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है।

गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है। जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही है।

महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपये और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपये के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निस्संदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक

अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढ़ने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह आर्थिकी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है।

साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की मध्यवर्ती आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और महंगाई में कमी का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था को मिला है। लेकिन अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा उद्योग-कारोबार के लिए निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। निश्चित रूप से देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने के मद्देनजर कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। जीएसटी के बाद अब ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर नई पीढ़ी-अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है। इन सुधारों के तहत जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। साथ ही देश को कृषि, बैंकिंग, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों की डगर पर भी आगे बढ़ना होगा।

## बोधि दिवस

श्वेता गोयल

# हजारों वर्षों बाद भी प्रासंगिक हैं गौतम बुद्ध की शिक्षाएं

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल) में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोधन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया लेकिन सच्चा ज्ञान उन्हें तब मिला, जब वह बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान में बैठे। यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है। बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन बौद्ध धर्म के अनुयायी गहन ध्यान करते हैं, बौद्ध ग्रंथों का जाप और अध्ययन करते हैं और महात्मा बुद्ध की पूजा करते हैं। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि यह एक सामूहिक मंच प्रदान करता है, जहां लोग सामान्य भलाई के लिए काम करने के लिए एकजुट होते हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो। बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी गौतम बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं आज के मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।' यह उद्धरण हमें सिखाता है कि आज का क्षण ही सबसे महत्वपूर्ण है और हमें वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बुद्ध ने कहा है, 'हर सुबह हम नया जन्म लेते हैं। आज हम जो करते हैं, वही सबसे ज्यादा मायने रखता है।' यह विचार हमें प्रत्येक दिन को एक नई शुरुआत के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है और हमारे कार्यों के महत्व को स्पष्ट करता है। क्रोध और नकारात्मक भावनाओं से निपटने के बारे में बुद्ध का दर्शन विशेष रूप से मूल्यवान है। उन्होंने कहा है, 'आपको अपने क्रोध के लिए दंडित नहीं किया जाएगा, आपको अपने क्रोध द्वारा दंडित किया जाएगा।' बोधि दिवस हमें संदेश देता है कि हम सभी अपनी परिस्थितियों से परे जा सकते हैं, आत्मज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और एक अर्थपूर्ण जीवन जी सकते हैं।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# शिव कोई नाम नहीं है

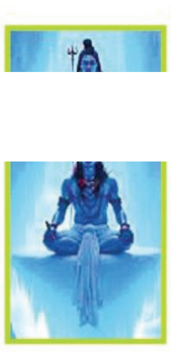

संकलित

दर्शन

मनुष्य की प्रकृति को समझने, हर तरह के मनुष्य के लिए एक रास्ता खोजने के अर्थ में, यह वाकई एक शाश्वत या हमेशा बना रहने वाला योगदान है। यह उस युग का या उस युग के लिए योगदान नहीं है। सृष्टि का अर्थ है कि जो कुछ नहीं था, वह एक-दूसरे से मिलकर कुछ बन गया। उन्होंने इस सृष्टि को खोलकर एक शून्य की स्थिति में लाने का तरीका खोजा। इसीलिए हमने उन्हें शिव नाम दिया। इसका अर्थ है 'वह जो नहीं है'। जब 'वह जो नहीं है', कुछ या 'जो कुछ है' बन गया, तो हमने उस आयाम को ब्रह्म कहा। शिव को यह नाम इसलिए दिया गया, क्योंकि उन्होंने एक तरीका, एक विधि नहीं, बल्कि हर संभव तरीका बताया कि चरम मुक्ति को कैसे पाएं, जिसका अर्थ है, कुछ से कुछ नहीं तक जाना। शिव कोई नाम नहीं हैं, वह एक वर्णन है। जैसे यह कहना कि कोई डाक्टर है, वकील है या इंजीनियर है, हम कहते हैं कि वह शिव हैं, जीवन को शून्य बनाने वाले। इसे जीवन के विनाशकर्ता के रूप में थोड़ा गलत समझ लिया गया, लेकिन वह भी सही है। बात मात्र यह है कि जब आप 'विनाशकर्ता' शब्द का इस्तेमाल करते हैं, तो लोग उसे बुरा समझ लेते हैं। अगर किसी ने 'मुक्तिदाता' कहा होता तो उसे अच्छा माना जाता। धीरे-धीरे 'शून्य करने वाला', 'विनाशकर्ता' बन गया और लोग यह सोचने लगे कि वह बुरे हैं। आप उन्हें कुछ भी कहिए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता- बुद्धिमत्ता की प्रकृति यही है। अगर आपकी बुद्धिमत्ता एक ऊंचाई पर पहुंच जाती है, तो आपको किसी नैतिकता की जरूरत नहीं होगी।

# मन को कभी भी निराश न होने दें

संकलित

प्रेरणा

सुबह होते ही, एक भिखारी सेठजी के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुंच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, सेठजी बाहर आए पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां सेठजी की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगीः अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया। दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ। सेठजी दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोक कर कहाः भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजिएगा। वही पर खड़े सेठजी के एक मित्र ने उससे पूछाः मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया? सेठजी ने मुस्कुराते हुए कहाः मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो! मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास। इसी लिए कहां गया है, मन प्रसन्न तो आप प्रसन्न। प्रसन्न मन हमारे शरीर पर काफी प्रभाव डालता है। प्रसन्न मन से किए गए कार्य में सफलता की संभावना अधिक होती है।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### कैसे रुकेगी रुपए की गिरती कीमत

बीते बुधवार को हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था के क्षेत्र के लिए एक चिंता भरी खबर सामने आई, खबर यह थी कि हमारे देश के रुपए की कीमत में भारी गिरावट आई अर्थात यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग नब्बे के नीचे आ गया। हालांकि सरकार और आरबीआई इससे निपटने के लिए काम कर सकते हैं। लेकिन फिर भी यह देश के लिए चिंता की बात है। यह देश की आर्थिक व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि रोजगार और महंगाई के लिए भी टेंशन बढ़ाने वाली है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले हमारे देश के रुपए के गिरने का सिलसिला मोदी सरकार में ही नहीं, बल्कि जाने माने अर्थशास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राज में भी था। इस दिशा में ठोस समाधान तलाशने की जरूरत है। - *रमेश वर्मा, दुर्ग*

## X ट्रेंड f

### हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ

आज जब भारत की ग्रोथ तेज है, तब इसे कोई हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ नहीं कहता। ये गुलामी की मानसिकता का प्रतिबिंब ही था कि कभी भारत की कमजोर इकोनॉमिक ग्रोथ को हमारी आस्था तक से जोड़ा गया, फिर भी तथाकथित बुद्धिजीवियों को उसमें सांप्रदायिकता नजर नहीं आई।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### प्रदूषण नियंत्रण

दिल्ली में ऐसा पहली बार हो रहा है कि सैकड़ों स्प्रिंकलर गाड़ियां राजधानी के रिंग रोड की वाशिंग कर रही हैं। हम सबका मिशन एक है-प्रदूषण नियंत्रण। हमारी सरकार हर स्तर पर प्रदूषण के विरुद्ध निर्णायक युद्ध के लिए पूरी तरह सजग है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

### गोवा आग हादसा

गोवा के अरपोरा में हुए भीषण आग हादसे में कई व्यक्तियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से मृतकों की आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं। ॐ शांति।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

### विनम्र व्यवहार करें

फ्लाइट में देरी होना निराशाजनक होता है, लेकिन उन चेहरों को याद रखें जो इसे ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया इंडिगो के कर्मचारियों के साथ अच्छा और विनम्र व्यवहार करें; रद्दीकरण का बोझ भी उन्हें ही उठाना पड़ता है।

- सोनू सूद, अभिनेता

## करंट अफेयर

# चीनी विमान ने जापानी लडाकू विमान पर रडार किया लॉक

चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। 'रडार लॉक' का मतलब होता है- किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया। मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर 'रडार लॉक' किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि 'रडार लॉक' करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

## ऑफ बीट

# आपकी विशिष्ट गंध बता सकती है क्या बीमारी है

हमारे शरीर से हर सेकंड सैकड़ों रसायन हवा में प्रवाहित होते हैं। ये रसायन हवा में आसानी में घुल जाते हैं क्योंकि इनमें वाष्प का दबाव अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि वे उबल जाते हैं और कमरे के तापमान पर गैस में बदल जाते हैं। वे इस बात का पता देते हैं कि हम कौन हैं और कितने स्वस्थ हैं। प्राचीन यूनानी काल से, हम जानते हैं कि जब हम अस्वस्थ होते हैं तो हमारी गंध अलग-अलग होती है। जबकि आज हम रक्त विश्लेषण पर भरोसा करते हैं, प्राचीन यूनानी चिकित्सक बीमारियों के निदान के लिए गंध का उपयोग करते थे। आपकी सांस का एक झोंका लेकर वह बता सकते थे कि आपको फेटोर हेपेटिकस (मतलब खराब लीवर) है, तो इसका मतलब होता था कि आप लीवर की बीमारी की ओर बढ़ सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति की सांस की हवा में मीठापन या फलों की गंध होती थी, तो चिकित्सकों का निष्कर्ष होता था कि पाचन तंत्र में शर्करा टूट नहीं रही है, और उस व्यक्ति को संभवतः मधुमेह है। विज्ञान ने तब से दिखाया है कि प्राचीन यूनानी सही थे - जिगर की विफलता और मधुमेह तथा संक्रामक रोगों सहित कई अन्य बीमारियाँ आपकी सांसों को एक विशिष्ट गंध देती हैं। 1971 में, नोबेल पुरस्कार विजेता रसायनज्ञ लिनुस पॉलिंग ने सांस में 250 विभिन्न गैसीय रसायनों की गिनती की।

## खबर संक्षेप

### बम धमाके के आरोपियों की हिरासत बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए कार विस्फोट मामले के सिलसिले में गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथर, डॉ. शाहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को चार दिन के लिए बढ़ा दी। 10 दिन की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को हुई थी।

### स्टारलिंक सेवा का शुल्क 8600 रु. प्रति माह होगा

नई दिल्ली। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी वेबसाइट लाइव कर दी है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के लिए 8600 रुपए प्रतिमाह चार्ज करेगी। इसमें 34,000 रुपए की कीमत के हार्डवेयर की कॉस्ट भी शामिल है। एक महीने के फ्री ट्रायल के साथ अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करेगी।


### जन्म प्रमाणपत्र में सुधार

मैं जितेंद्र चंद्रवंशी पिता श्री राम महल चंद्रवंशी , निवासी जय स्तंभ चौक अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ का निम्नांकित कथन करता हूं मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र अमन के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्र. क्र. 1217/25 जारी दिनांक 25/04/2019 है जिसमें पुत्र का नाम अमन दर्ज है का सही नाम श्रेयश चंद्रवंशी रख लिया गया हैं तथा इसी नाम से आधार कार्ड बनाया गया है तथा उसके शैक्षणिक पत्रों में उसका नाम श्रेयश चंद्रवंशी दर्ज है तथा उक्त जन्म प्रमाण पत्र में अमन का नाम विलोपित करने एवं परिवर्तन नाम श्रेयश चंद्रवंशी दर्ज कराए जाने शपथ पत्र प्रस्तुत करता हूं तथा जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम किरण एवं पिता का नाम जितेंद्र दर्ज हो गया है मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का परिवर्तित नाम श्रेयश चंद्रवंशी दर्ज कराए जाने शपथ पत्र प्रस्तुत करता हूं उक्त जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम सही नाम किरण चंद्रवंशी एवं पिता का सही नाम जितेंद्र चंद्रवंशी दर्ज करना चाहता हूं

सत्यापन कर्ता


## अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) जारी किया

# अमेरिका की परमाणु और हिंद-प्रशांत रणनीतियों में भारत प्रमुख भागीदार

### क्वाड के जरिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) का संयुक्त मसौदा जारी किया है। इस अधिनियम में भारत को अमेरिका की कई रणनीतियों- जैसे नागरिक परमाणु सहयोग, रक्षा सह-उत्पादन और समुद्री सुरक्षा में विशेष स्थान दिया गया है। यह बिल छह दशकों से हर साल पारित होता आया है और इस सप्ताह के अंत में इसके हाउस से पारित होने की उम्मीद है। एनडीएए में भारत को इंडो-प्रशांत क्षेत्र और परमाणु नीति में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका भारत के साथ उसकी परमाणु दायित्व नीति पर निरंतर बातचीत करेगा और भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा जो चीन की चुनौती का सामना करने के लिए नई रक्षा व्यवस्था तैयार कर रहे हैं। रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए।

**सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार और समुद्री सुरक्षा में साझेदारी बढ़ाएं** | **चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करें तैयार**

### संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

विधेयक में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अमेरिका और भारत मिलकर एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे, जो 2008 के नागरिक परमाणु समझौते के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करेगा। साथ ही भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, इन मुद्दों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर 'एक रणनीति विकसित करने' का कार्य भी इसी तंत्र को सौंपा गया है। अमेरिका को पांच वर्षों तक हर साल इस समीक्षा की रिपोर्ट कांग्रेस में पेश करनी होगी।

### भारत के साथ जुड़ाव बढ़ाने की सलाह

संसद ने यह भी कहा है कि अमेरिका को क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) सहित भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, ताकि इंडो-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला रखा जा सके। इसमें सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन को रोकने के लिए अमेरिका अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति और साझेदारी भी बढ़ाएगा।

### भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करें

विधेयक में भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करने का प्रावधान भी है, जिसका कार्य इस क्षेत्र में अमेरिका की कूटनीति का समन्वय करना और चीन के प्रभाव का संतुलन तैयार करना होगा। इन सभी कदमों से स्पष्ट होता है कि भारत अब अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

### भारत नागरिक परमाणु सहयोगी देश

विधेयक के अन्य हिस्सों में भारत को वैश्विक नागरिक परमाणु सहयोग में "सहयोगी देश" के रूप में चिन्हित किया गया है। कानून प्रशासन को अमेरिकी परमाणु निर्यात का विस्तार करने के लिए 10 वर्षीय रणनीति बनाने और रूस तथा चीन से होने वाली प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करने का निर्देश देता है। विधेयक में इंडो-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े प्रावधानों में भारत को प्राथमिक सहयोगियों की सूची में शामिल किया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और न्यूजीलैंड भी हैं। इन देशों के साथ मिलकर रक्षा उद्योग, आपूर्ति श्रृंखला और नई तकनीकों पर संयुक्त कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री को इस दिशा में समझौते करने, तकनीकी सहायता प्रदान करने और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों को जोड़ने का अधिकार होगा, ताकि संयुक्त उत्पादन और विकास को प्रोत्साहन मिल सके।

## अमेरिकी एविएशन वकील ने कहा-

# एफडीआर डेटा जारी हो, ये पीड़ितों का अधिकार, तभी सच सामने आएगा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अहमदाबाद विमान हादसा

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के छह महीने बाद भी कई सवालों का जवाब अब तक सामने नहीं आया है। इसी बीच अमेरिका के एविएशन अटॉर्नी माइक एंड्रूज ने भारत सरकार से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) सार्वजनिक करने की मांग दोहराई है। एंड्रूज हादसे में मारे गए 130 से ज्यादा परिवारों के प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एंड्रूज का कहना है कि डेटा जारी होने से जांच में पारदर्शिता आएगी और प्रभावित परिवार यह तय कर सकेंगे कि कानूनी तौर पर अगला कदम क्या होना चाहिए।

गुजरात में पीड़ित परिवारों से दोबारा मुलाकात करते हुए एंड्रूज ने कहा कि भारत सरकार एफडीआर डेटा जारी करे। तभी हमारे विशेषज्ञ स्वतंत्र जांच कर पाएंगे। पीड़ित परिवारों का सबसे बड़ा अधिकार है पारदर्शिता। उन्होंने बताया कि कई बार बोइंग 787 में वॉटर लीकेज के कारण इलेक्ट्रिकल सिस्टम प्रभावित होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कहीं इसी वजह से तो यह हादसा नहीं हुआ।

### अकेले बचे यात्री का बयान संदिग्ध

माइक एंड्रूज ने इकलौते जीवित यात्री विश्वास कुमार रमेश के इंटरव्यू का हवाला देते हुए कहा कि क्रैश से ठीक पहले विमान के अंदर की लाइटें झपकी थीं और हरी हो गई थीं, जो यह संकेत देती हैं कि विमान ने मुख्य बिजली व्यवस्था से बैकअप सिस्टम में स्विच किया था। यह गंभीर इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की तरफ इशारा करता है। बता दें, 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 (बोइंग 787-8) एक मेडिकल हॉस्टल कॉम्प्लेक्स से टकराकर आग की लपटों में घिर गई थी। इसमें 242 में से 241 लोग मारे गए, जमीन पर भी 19 लोगों की मौत हुई, सिर्फ एक यात्री विश्वास कुमार जीवित बचा।

### अमेरिका में भी डाली गई सूचना के अधिकार की अर्जी

एंड्रूज ने बताया कि उन्होंने संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) से जानकारी पाने के लिए फ्रीडम ऑफ इनफार्मेशन एक्ट के तहत अपील की है, क्योंकि माना जा रहा है कि एएआईबी ने अपनी जांच का कुछ हिस्सा अमेरिका के अधिकारियों के साथ साझा किया है। अमेरिकी वकील अब आणंद, वडोदरा और मुंबई में उन परिवारों से मिलेंगे जिन्होंने कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाने की सहमति दी है।

## भारत-नेपाल रेल प्रोजेक्ट की डीपीआर जनवरी तक होगी तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल की राजधानी काठमांडू जल्द ही भारत की राजधानी दिल्ली के साथ रेल लाइन से जुड़ जाएगा। बिहार के रक्सौल और काठमांडू के बीच नई रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्व का काम आखिरी चरण में है, जो इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद अगले साल जनवरी में डीपीआर भी तैयार कर लिया जाएगा। प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार होने के बाद रक्सौल-काठमांडू रेल प्रोजेक्ट के तहत लाइन बिछाने के लिए टेंडर जारी होंगे और फिर लाइन बिछाने का काम शुरू होगा। रक्सौल से काठमांडू के बीच करीब 136 किमी लंबी रेल लाइन

बिछाई जाएगी और इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 25,000 करोड़ का खर्च आएगा, जिसमें बढ़ोतरी भी हो सकती है। प्रोजेक्ट के तहत 136 के रूट पर 13 रेलवे स्टेशन भी बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद रक्सौल से काठमांडू का सफर सिर्फ 2 से 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। 2018 में रेल लाइन की कोशिशें शुरू हुई थीं।

## टाटा-मार्टिन का सैन्य विमान रखरखाव केंद्र अगले साल शुरू होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने भारत में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस सैन्य परिवहन विमान के संचालन में मदद के लिए एक नए रखरखाव, मरम्मत एवं नवीकरण (एमआरओ) केंद्र की बेंगलुरु में स्थापना की सोमवार को घोषणा की।

एमआरओ केंद्र का निर्माण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस केंद्र को एमआरओ संचालन के लिए पहला सी-130जे विमान 2027 की शुरुआत में मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना फिलहाल लॉकहीड मार्टिन के 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के अग्रणी सामरिक मालवाहक विमानों में से

एक माना जाता है। इस अवसर पर लॉकहीड मार्टिन के सीईओ फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि नया सी-130जे एमआरओ केंद्र भारत में विश्वस्तरीय रखरखाव क्षमता विकसित करेगा, सेना की तैयारियों में सुधार लाएगा। और ऐसे अवसर पैदा करेगा, जो क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130जे संचालकों के लिए मददगार होंगे।

# यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में जल्द शुरू करेगी कैंपस

**धमेंद्र प्रधान ने कहा कि दोनों देश अपनी शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण, शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है**

*दोनों देश शैक्षिक एवं अकादमिक ऑपरेशन्स को बढ़ावा देंगे*

*'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग*

### शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता की समीक्षा की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान से मुलाकात करते ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर (मध्य में)।

धमेंद्र प्रधान ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही 'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता को और मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि भारत के लिए छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-रेडी पीढ़ी तैयार करना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ मिलकर यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को लेटर ऑफ इंटेंट भी सौंपा।

### दोनों देश ज्ञान साझेदारी को सशक्त करेंगे

प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू को बधाई देते हुए भारत में उसका स्वागत किया और इसे भारत-ऑस्ट्रेलिया ज्ञान साझेदारी को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी जीवंत शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण और दो-तरफा शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक में शिक्षा परिदृश्य के रूपांतरण और दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ।

### बैठक में विशेषज्ञ शामिल हुए

बता दें, शिक्षा मंत्रालय 8 और 9 दिसंबर को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है। तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने सह-अध्यक्षता की। बैठक में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। चर्चा के प्रमुख विषयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण व पेशेवर विकास, सहयोगी अनुसंधान और कुशल कार्यबल निर्माण शामिल रहे।


### न्यायालय तहसीलदार रघुनाथनगर, जिला- बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

-:: ईश्तहार::-

सर्व साधारण जनता ग्राम रमेशपुर तहसील रघुनाथनगर को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अखण्ड प्रताप जायसवाल पिता रामकेश्वर जावसवाल जाति कलार निवासी ग्राम रमेशपुर तहसील रघुनाथनगर जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ०ग०) के द्वारा कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि आवेदक के नाम पर स्थित भूमि खसरा नंबर 74, 108 रकबा क्रमशः 0.41, 2.77 हे. में से रकबा 0.06, 0.13 हे. का आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित राजस्व प्रकरण क्रमांक 202408270800012/65/अ-2/2023-24 के अनुसार व्यपर्तित हुआ है जिसे आवेदक के अपने पुत्र अनावेदक अंकित कुमार जायसवाल आ. अखण्ड प्रताप जायसवाल निवासी ग्राम रमेशपुर के नाम पर दान पत्र निष्पादित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसका आवश्यक बिन्दुओं में जॉच प्रतिवेदन हेतु पृ०क्रमांक/246/वाचक/कले. / 2025 बलरामपुर दिनांक 09.04.2025 के अनुसार इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी हितबद्ध व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना आपत्ति दिनांक 26/12/2025 के पूर्व स्वयं या किसी मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
रघुनाथनगर
जिला-बलरामपुर रा०गंज (छ०ग०)

### न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ननकू राम पिता रामकिशुन जाति कंवर निवासी सिधामा तहसील राजपुर जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिप्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2166/18 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेत व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 24/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

### न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम - केवरा पहन 12

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवकुमार पिता देवलाल जाति पण्डो निवासी ग्राम केवरा प.ह.न. 12 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र विजय कुमार आ शिव कुमार का जन्म दिनांक 05/01/2008 को ग्राम केवरा में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र विजय कुमार का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

### न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला- सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क० : 202510022900007/ब - 121/25-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो० अजहर आ० शोएब निवासी ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा स्वयं के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नवागढ़ स्थित भूमि खसरा क्रमांक 145/30 रकबा 0.008 हे० भूमि के राजस्व अभिलेख के ऑनलाईन बी-1 में आवेदक का नाम पूर्व में वर्ष 2024 में दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्व रिकार्ड में आवेदक का नाम दर्ज नहीं है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 22/12/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 09/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-3

### न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नाहर सिंह पिता पतराज सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम कुरुडीह प.ह.न रा.नि.म भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश निवासी किया गया है कि आवेदक के पुत्री रिनू का जन्म दिनांक 28-10-2015 को ग्राम घुईपारा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री रीनु सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुरीडीह को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/12/2025तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर

### कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

वि.प्र.क./विशेष विवाह/2024-25

फार्म-'अ'

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक मो० शाहिद रजा खान आ० मो० अहमद रजा खान, उम्र 33 वर्ष, पेशा व्यवसाय, निवासी- पठानपुरा, थाना लखनपुर, तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा, छ०ग० एवं आवेदिका मीरा मानिकपुरी आ० सुरनु दास, उम्र 31 वर्ष, पेशा ग्रहणी, निवासी ग्राम दावा, थाना उदयपुर, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आयशित विवाह / विवाह पंजीयन की सूचना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई व्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 31/12/2025 को दिन के 11:00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

विशेष विवाह अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा


# 19 वर्षीय सारस्वत ने जीता सुपर 100 का खिताब

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला। हालांकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह उप विजेता रहीं। पंजाब की 16 साल की खिलाड़ी पिछले हफ्ते सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। भारतीय पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक भी एकतरफा फाइनल में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई की छठी वरीय जोड़ी से 13-21 18-21 से हारने के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

■ गुवाहाटी मास्टर्स में तन्वी रहीं उप विजेता

आज की हाईटेक दुनिया में मानवाधिकार, सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं हैं। आपकी ऑनलाइन आदतों, व्यवहार और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता में भी यह प्रकट होता है। यहां बताई जा रही आदतों को अपनाने वाला कोई भी व्यक्ति न सिर्फ डिजिटल वर्ल्ड में खुद को सुरक्षित रख सकता है बल्कि दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा करने में योगदान भी कर सकता है।

# डिजिटल वर्ल्ड में भी जरूरी है मानवाधिकारों के प्रति सजगता

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-स्पीड इंटरनेट और 24X7 स्क्रीन-लाइफ के इस दौर में मानवाधिकारों की परिभाषा वह नहीं रही, जो बीसवीं सदी के मध्य या उत्तरार्द्ध में हुआ करती थी। जीवन जीने की नई चुनौतियों के बीच, जीवन के अधिकारों की जमीन भी बदल रही है। साथ ही सार्वभौम मानवाधिकारों की परिभाषा भी बहुत तेजी से बदल रही है। आज मानवाधिकारों के दायरे में सिर्फ आपकी सदेह उपस्थिति ही नहीं रही, बल्कि डिजिटल उपस्थिति, ऑनलाइन व्यवहार और टेक्नोलॉजी के प्रयोग भी आ गए हैं। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, डिजिटल जीवनशैली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बीच बड़ी हुई पीढ़ी है। इसलिए उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों का दायरा भी इन सभी आयामों से जुड़ता है। डिजिटल दुनिया की संवेदना का सम्मान किए बिना आज मानवाधिकारों की चर्चा पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि आज इंसान के जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटलाइज हो चुका है। इसलिए इस जीवन की हिफाजत, उसका सम्मान और उसकी संवेदनशीलता का ख्याल रखना भी आज का मानवाधिकार है।

**महत्वपूर्ण है डिजिटल प्राइवेसी:** डिजिटल स्पेस में प्राइवेसी का अर्थ सिर्फ 'सीक्रेट' रखना नहीं है बल्कि अपनी पहचान, आदतों और भावनाओं को सुरक्षित रखना भी है। हर मोबाइल एप आज आपके व्यवहार पर गहरी नजर रखता है और आपकी एक डिजिटल कुंडली बनाता है। उसे आपकी लोकेशन से लेकर आपकी हार्टबीट तक पता होती है। ऐसे में एक जागरूक युवा वही है, जो हर अनुमति को ध्यान से पढ़ता है, अपनी डिजिटल दुनिया के दरवाजों का मजबूत पासवर्ड रखता है, टू-फैक्टर सुरक्षा अपनाता है और अपनी निजी जानकारियां केवल जरूरी और सुरक्षित मंचों पर ही साझा करता है। लब्बोलुआब यह कि जो युवा अपनी प्राइवेसी की कीमत समझता है, वही दूसरों की प्राइवेसी का अर्थ भी जानता है। इसलिए मानवाधिकारों के प्रति सजग बनना है तो डिजिटल प्राइवेसी का सम्मान करना और इसे खुद भी सीखना जरूरी है।

**साइबर बुलिंग का विरोध:** स्मार्टफोन के दो क्लिक किसी की मानसिक शांति छीन सकते हैं। बॉडी-शेमिंग, ट्रोलिंग, मीम के नाम पर अपमान- ये सब मनोरंजन नहीं है बल्कि डिजिटल हिंसा है। एक संवेदनशील और मानवाधिकारों के लिए सजग युवा वही है, जो ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता। 'रिपोर्ट' करता है, 'ब्लॉक' करता है और पीड़ित को 'सपोर्ट' करता है। ये तीन शब्द आज की सामाजिक जिम्मेदारी हैं। किसी की मानसिक भलाई भी एक मानवाधिकार है और इस भलाई को करना हर युवा के डिजिटल नागरिक होने का कर्तव्य भी है। इसलिए मानवाधिकारों का चैंपियन बनने के लिए इन सब हरकतों को लेकर चुप नहीं रहना चाहिए।

### ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा का अधिकार

यूपीआई, वॉलेट पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधा बढ़ाई है, लेकिन जोखिम भी बढ़ाया है। डिजिटल धोखाधड़ी सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक क्षति भी है। इस मामले में आप अपने मानवाधिकारों को तभी तक सुरक्षित रख सकते हैं, जब तक अजनबियों को ओटीपी, पिन, पासवर्ड नहीं बताते, संदिग्ध लिंक नहीं खोलते, क्यूआर कोड बिना सोचे नहीं स्कैन करते। वित्तीय सुरक्षा, आधुनिक मानवाधिकारों में सीधे इस सोच से जुड़ी है कि आर्थिक स्वाभिमान भी एक अधिकार है।

**कुछ भी शेयर करने से पहले:** किसी की फोटो, चैट, स्क्रीनशॉट या किसी की वीडियो को फटाफट पब्लिक फ्रंट पर साझा करने से पहले न केवल कई बार सोचें बल्कि जिनसे सीधे उसका रिश्ता है, अनिवार्य रूप से उसकी सहमति भी लें। अगर सहमति मिलती है, तभी सार्वजनिक दुनिया में प्राइवेसी के इन खास पलों को साझा करें। अगर ऐसा नहीं करते तो इससे साबित होगा कि आप डिजिटल दुनिया में न तो सामान्य शिष्टाचार का पालन करते हैं और न ही लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। क्योंकि जो [illegible] खिलवाड़ आप हंसी खेल में कर देंगे, वो किसी के लिए अभिशाप भी बन सकता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए 'कंसेंट कल्चर' सिर्फ भौतिक रिश्तों में ही नहीं बल्कि डिजिटल स्पेस में भी जरूरी है। दूसरों की अनुमति का सम्मान करना डिजिटल नैतिकता का आधार है।

**फेक न्यूज-हेट स्पीच से दूरी:** डिजिटल वर्ल्ड में मानवाधिकारों के प्रति अगर आप सजग हैं तो न सिर्फ फेक न्यूज और हेट स्पीच से दूर रहना जरूरी है बल्कि उन्हें हर संभव तरीके से रोकना भी जरूरी है। एक जागरूक डिजिटल यूजर को इसे भी अपनी 'नेट नागरिकता' की जिम्मेदारी और मानवाधिकार मानना चाहिए, क्योंकि भ्रामक खबरें अब खतरनाक हथियार बन चुकी हैं। एक एडिटेड वीडियो, एक गलत जानकारी पूरे समुदाय को तनाव में ला सकता है, अराजकता फैला सकता है। अतः जिम्मेदार और डिजिटल युग में मानवाधिकार के प्रति सजग वही है, जो किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचे। याद रखिए हेट स्पीच 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' नहीं है बल्कि यह स्वतंत्रता के नाम पर दूसरे के अधिकारों पर आक्रमण है। इसे रोकना डिजिटल समाज को सुरक्षित बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

**डेटा उपयोग को जानने का अधिकार:** आज आपके सोशल मीडिया फीड में क्या दिखेगा, यह आपकी पसंद से ज्यादा एल्गोरिद्म तय करता है। एआई आपकी आदतों का विश्लेषण करता है और आपके निर्णयों को प्रभावित करता है। हर डिजिटल सजग युवा को यह जानने का अधिकार है कि उसका डेटा कैसे उपयोग हो रहा है? इसके प्रति सजग और संवदनेशील बने रहना जरूरी है।

**मानसिक स्वास्थ्य का मानवाधिकार:** डूम-स्क्रॉलिंग, लाइक्स पर निर्भरता, दूसरों की तुलना में आत्म-मूल्य घटाना, ये नई डिजिटल बीमारियां हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी मानवाधिकार है और उसकी रक्षा आपको स्वयं करनी होती है। स्क्रीन टाइम सीमित करना, डिजिटल डिटॉक्स, सकारात्मक सामग्री चुनना और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना, आपको मजबूत और संतुलित बनाता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने अधिकारों के लिए सजग रह सकता है।

**डिजिटल फुट प्रिंट की समझ:** इस बात को याद रखिए कि इंटरनेट कुछ भूलता नहीं। सोशल मीडिया पर डाला गया हर शब्द, हमेशा के लिए दर्ज हो जाता है। अपने या अपने दोस्त के प्रति एक लापरवाही, करियर, रिश्तों या छवि पर भारी पड़ सकती है। इसलिए हर पोस्ट से पहले सोचना जरूरी है कि क्या ये भविष्य में मुझे या मेरे जैसे किसी और को चोट तो नहीं पहुंचाएगी? डिजिटल फुट प्रिंट का ध्यान रखना एक समझदार, संवेदनशील और भविष्य-दृष्टि वाला डिजिटल सिटिजन बनने का सबसे आसान तरीका है।

**स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार:** सभ्य संवाद ही आधुनिक अधिकार संस्कृति है। ऑनलाइन बोलने का साहस अच्छा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, तर्क और शिष्टता भी होनी चाहिए। मतभेद स्वाभाविक हैं पर अपमानजनक भाषा मानवाधिकार मूल्यों को तोड़ती है। एक परिपक्व व्यक्ति वही है, जो अपनी राय साफ रखता है, लेकिन किसी की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाता। *

# स्वास्थ्य मात्र सुविधा ही नहीं हम सभी का है अधिकार

कोई भी देश-समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, खुश नहीं रह सकता, जब तक वहां के लोग स्वस्थ नहीं रहते। इसीलिए लोगों और सरकारों को इस दिशा में अवेयर करने के लिए ही 12 दिसंबर को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे मनाया जाता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

हर साल 12 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक, किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य- ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं।

**यह दिन मनाने का मकसद:** इस दिन का वास्तव में असली मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें, क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर की सरकारों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों को यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा।

**ऐसे हुई इस दिन की शुरुआत:** जहां तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे की शुरुआत और इसके मनाए जाने की वजह का सवाल है तो संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता इस विशेष दिन के लिए 2017 में मिली। जब दिसंबर 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे) घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि ये 2017 में संभव हुआ, लेकिन इसकी जड़ें 2012 से जुड़ी हैं, जब इसी 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। इस दिन को ही बाद में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में चुना गया।

**कई तरह के होते हैं आयोजन:** जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाए जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग-अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे हैश टैग के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किए जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान चलाए जाते हैं।

स्कूल कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं तथा मीडिया कवरेज भी इस अवसर को खास तव्वजो देती है। विभिन्न टीवी चैनल और पत्रिकाएं इस दिन के लिए विशेष कार्यक्रम बनाते हैं।

**कोविड काल से बढ़ी महत्ता:** साल 2019-20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन के लिए दुनिया भर में सजगता बढ़ी है, क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिम भरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं, जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है।

**सामाजिक जिम्मेदारी है अच्छी हेल्थ:** आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा और डर महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग ही महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। *

नवगीत

घमंडीलाल अग्रवाल

## सुख हो गया लघुकथा जैसा

सुख हो गया लघुकथा जैसा
उपन्यास-सा दुख!
पसर गईं हैं मन में आकर
ऐसे इच्छाएं,
वर्षा के मौसम में नभ पर
जैसे घन छाएं।
पढ़े न कोई उर की पोथी
देखें सब आमुख।
भौतिकता की चकाचौंध ने
हमको भरमाया,
आमदनी आठ आने, खर्चा
है रुपया पाया।
उलझन ने खोले सुरसा-से
बड़े-बड़े अब मुख।
माया के चक्कर में काया
हुई सूख कांटा,
परेशानियां सांझ-सकारे
मार रहीं चांटा।
फिर भी खाई में गिरने का
अपनाया है रुख।
हवा भरे गुब्बारों जैसे
लोग नजर आते,
घड़ी दो घड़ी साथ निभाकर
पिचक बाद जाते।
बांह न कोई गहे उम्र भर
कब बैठे सम्मुख।

लघुकथाएं

## दीवारें भी कुछ कहती हैं

बाबूजी ने अपने पुराने घर का रेनोवेशन करवाया था। पूरा घर चमकने लगा था। दरवाजों पर सुंदर कलर के पेंट, दीवारों पर नई डिजाइन की कलाकारी, नया पेंट, पुट्टी सब कुछ बहुत सुंदर दिख रहा था। यह सब देखकर ससुराल से आई बेटी रानू बहुत खुश हो रही थी। वो घर के अंदर गई तो देखकर दंग रह गई। मुख्य द्वार पर पीले, लाल हाथों के निशान ज्यों के त्यों थे। बैठक में दीवारों पर रंग-बिरंगी आड़ी-तिरछी रेखाएं मुंह चिढ़ा रही थीं। और तो और जीने की दीवारों पर तेल भरे हाथों के धब्बे दिखाई दे रहे थे। इन सभी जगहों को छोड़कर बाकी दीवारों पर लिपाई-पुताई कर दी गई थी। यह सब देखकर हैरान-सी रानू ने अपने पिता से पूछा, 'बाबूजी, यह सब क्या है? आपने इन दीवारों पर इन गंदे दाग-धब्बों पर पेंट क्यों नहीं करवाया? ऐसे इन्हें क्यों छोड़ दिया? देखो ये कितने बदरंग दिख रहे हैं।'

बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले, 'बेटा, यह बदरंग धब्बे-दाग नहीं, यह रिश्तों के प्रेम के खुशरंग निशानी हैं। ये देखो, यह लाल, पीले हाथों के छाप। यह तेरी बुआ के हाथों के छाप हैं, जब वह ससुराल गई थी। ये लाल निशान तेरे हाथों के हैं, जब तू ससुराल गई थी। ये आड़ी-तिरछी रेखाएं तुम सब नन्हे-मुन्ने बच्चों की हैं, जब तुम शरारत करते थे। यह जीने पर तेल के दाग तुम्हारे पूज्य दादा जी के हैं, जब-तब वे जीने पर इन दीवारों के सहारा लेकर चढ़ते थे। आज वे नहीं रहे, पर ये निशानियां हैं, जो मुझे हमारे पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। ये दीवारें भी कुछ कहती हैं हमसे, तुम भी सुनो।' बाबूजी की बात सुनकर रानू पुरानी यादों में खो गई। *

- शैल चंद्रा

## सीमा

आज डमरू अपनी बिटिया विनी को बाजार में ड्रेस दिलाने लाया था। एक फ्रॉक की दुकान पर दोनों रुक गए।

'पापा..पापा.. ये फ्रॉक ले लो ना.. ये वाली..।' विनी ने मचलते हुए एक फ्रॉक की तरफ इशारा किया। डमरू का दिल धक-धक करने लगा। स्लेटी रंग की वह फ्रॉक सिल्क की थी। उसने सोचा काफी महंगी होगी। डमरू को समझ नहीं आ रहा था, छह साल की बेटी को कैसे बहलाए।

गर्दन घुमाते हुए डमरू को एक रंगीन लेकिन सस्ती सी फ्रॉक दिखाई दी। वह बोला, 'आहा! यह देखो विनी, इसमें झालर है, घुंघरू भी लगे हैं, इसे ले लो बेटा।'

रंग की चकाचौंध में विनी बहल गई। उसने वही फ्रॉक ले ली। सूती कपड़े की रंगीन फ्रॉक पहनकर अगले दिन विनी स्कूल गई। वहां स्कूल फंक्शन में विनी ने कविता प्रतियोगिता में प्यारी सी एक कविता सुनाई। उसे प्रथम पुरस्कार मिला। विनी की खुशी दोगुनी हो गई।

घर आकर चहकते हुए उसने बताया, 'पापा, इसी प्यारी फ्रॉक की वजह से मिल गया पहला ईनाम।' विनी खुशी से अपनी ट्रॉफी चूम रही थी। डमरू को पिछले साल का वह वाकया याद आया, जब एक मिठाई की दुकान पर काजू कतली को देखकर विनी मचल गई थी, उसे यह मिठाई खानी है। डमरू ने दूसरी तरफ उसे बहलाते हुए रंगीन पेठा दिखाया। मासूम विनी वही रंगीन रसीला पेठा खाकर खुश हो गई थी। कल भी डमरू ने वही किया। विनी तो छोटी बच्ची है, अबोध। लेकिन डमरू मजबूर है, उसे अपनी सीमा का आभास है, वह अपनी चादर से बाहर पैर नहीं फैला सकता। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## स्मृतियों की बस्ती

हाल में वरिष्ठ कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह द्वारा लिखे गए संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' छपकर आई है। इसमें कुल सोलह संस्मरण संकलित हैं। इनमें त्रिलोचन और अमरकांत पर दो-दो संस्मरण हैं और एक संस्मरण इलाहाबाद में लेखक के द्वारा बिताए गए दिनों पर आधारित है।

'चिड़ियों के घर का वासी' संस्मरण हजारी प्रसाद द्विवेदी पर लिखा गया है। इसमें लेखक ऐसी छोटी-छोटी कई बातें बताते हैं, जिनसे द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता में निहित विराटता प्रकट होती है। 'बरगद जैसे छायादार थे अमृतलाल नागर' संस्मरण में लेखक ने नागर जी से मिली आत्मीयता का मार्मिकता से वर्णन किया है। अमरकांत पर इस पुस्तक में दो संस्मरण संकलित हैं- 'अशोक वृक्ष की छाया में' और 'अमरकांतः प्रफुल्लता की प्रतिमूर्ति।' त्रिलोचन पर भी पुस्तक में दो संस्मरण 'नाम सार्थक लगे त्रिलोचन' और 'एक विरोधाभास त्रिलोचन' संकलित हैं। काशीनाथ सिंह, हरिशंकर परसाई और बाबा नागार्जुन से जुड़े संस्मरणों में उनके कई अनछुए पहलू उजागर हुए हैं। पुस्तक के अंतिम संस्मरण 'इलाहाबाद के वे दिन' में अब्दुल बिस्मिल्लाह लिखते हैं, 'इलाहाबाद के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण, वहां की गतिविधियों, रचनाकारों के जमावड़ों, भांति-भांति के व्यक्तियों और समग्रता में उस शहर के जीवन प्रवाह ने न केवल मेरी जीवनी शक्ति को दृढ़ता प्रदान की, बल्कि मेरी रचनाशीलता को भी धार दी।' बिस्मिल्लाह जी ने जिन हस्तियों पर संस्मरण लिखे हैं, उनके साथ उनके शहर का जीवन स्पंदन और जीवनशैली का सोंधापन भी महसूस कराते चलते हैं। *

**पुस्तक:** स्मृतियों की बस्ती, **लेखक:** अब्दुल बिस्मिल्लाह, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

## राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने पारदर्शी न्याय के दिये निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में अनुविभाग एवं तहसीलवार लंबित राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई तथा उनके निराकरण की अद्यतन प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र एवं पारदर्शी न्याय प्राप्त हो सके। उन्होंने विशेष रूप से अभिलेख सुधार, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन, पट्टा वितरण तथा अभिलेख दुरुस्तीकरण जैसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग करने व अवैध धान परिवहन और भंडारण पर सख्त कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

# शिवानी भूमिगत खदान से कॉपर केबल चोरी के 5 आरोपी गिरफ्तार, 1 लाख सामान बरामद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** जिले की भटगांव पुलिस ने शिवानी भूमिगत खदान से कॉपर केबल चोरी के 5 आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब 1 लाख का केबल जप्त किया गया है।

बताया गया है कि 28 अक्टूबर को शिवानी भूमिगत खदान के वरिष्ठ सुरक्षा प्रहरी रामपाल ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 26 अक्टूबर के रात्रि यह और जनरल मजदूर राजेश प्रताप, कुलदीप राजवाडे ड्यूटी पर उपस्थित थे। रात्रि करीब 2 बजे दो अज्ञात व्यक्ति खदान के परिसर में वर्कशॉप के पास संदिग्ध हालत में दिखे जिसे आवाज देकर पूछने पर छुपने भागने लगे। जिनमें से 1 व्यक्ति को घेर लेने पर आरी ब्लैड जैसे औजार रखा था जिसे पकड़ते समय कुलदीप राजवाड़े के हाथ में चोट लगा जिसका उसी समय नाकाबपोश व्यक्ति का नकाब खुलने से यह लोग उसे देख है, पहचान जायेंगे। इसके बाद सभी वर्कशॉप आए तो देखे कि वर्कशॉप के पास से कॉपर का केबल वायर एवं अन्य पुराना लोहे का सामान नहीं था, अज्ञात चोरों द्वारा चोरी

कर ले गए है। प रिपोर्ट पर धारा 305(3), 331(4), 112(2),3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। भटगांव पुलिस ने मामले की विवेचना कर क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर तैनात किया इसी दौरान प्राप्त सूचना पर संदेही कमरान कुरैशी उर्फ राजा, संतोष सिंह उर्फ गुड मारनिंग, राकेश रजक उर्फ खरखट, जितेन्द्र रजक उर्फ लाला, नरेन्द्र सिंह उर्फ पन्डा को पकड़ा। पूछताछ पर खदान से चोरी करना स्वीकार किए। चोरी गये कॉपर का केबल वायर एवं अन्य पुराना लोहे का सामान को आरोपियों द्वारा ग्राम कमलापुर के नर्सरी में ले जाकर आरी ब्लेड से सभी मिलकर केबल से तांबा को निकाल रहे थे तब विश्रामपुर पुलिस को देखकर भाग गये जो थाना विश्रामपुर के इस्तगासा क्रमांक 03/25 धारा-106 बीएनएस के तहत जप्ती की गई थी। मामले में आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का 25 मीटर कॉपर केबल एवं पुराना लोहे का सामान कीमत करीब 1 लाख रूपये का जप्ती व पहचान कार्यवाही कराकर गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आरोपियों द्वारा संगठित होकर चोरी की घटना करने से प्रकरण में धारा 112(2) बीएनएस जोड़ी गई। मामले में अन्य आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, एएसआई राजकिशोर खलखो, प्रधान आरक्षक संजय, सुशील मिश्रा, आरक्षक दिनेश ठाकुर, रजनीश पटेल, श्याम सिंह, विनोद सिंह, राधेश्याम, गौरत, मैडी, विष्णुदत्त सक्रिय रहे।

# प्रा. स्वा. केंद सलका में घायल युवक को समय पर नहीं मिल सका इलाज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**दतिमा मोड़।** स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखण्ड अंतर्गत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद पीएचसी सलका में घायल

### गायब थे डियूटी पर तैनात कर्मचारी

युवक अजय विश्वकर्मा को समय में इलाज नहीं मिल सका। यह खोपा से कसकेला वापस घर लौट रहा। युवक और नियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया जिससे युवक के पैर पर गंभीर चोट लगी थी। घायल व्यक्ति अजय विश्वकर्मा को पीएससी ले गए अस्पताल में ना डॉक्टर था ना ही कोई स्टाफ उपस्थित मिला।

घायल युवक की इलाज के लिए तड़पता रहा मौके पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता रवि यादव व उनके साथियों ने इसका वीडियो बनाया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लंबे समय इंतजार के बाद बगल में एक निजी फार्मासिस्ट ने युवक के पैर का ड्रेसिंग की। लेकिन उचित इलाज नहीं हो सका वायरल

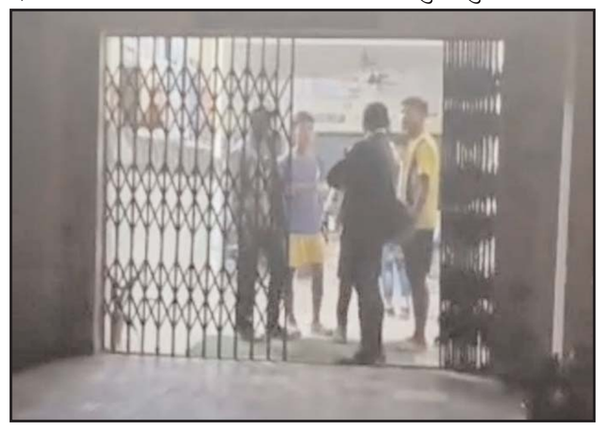

वीडियो में अस्पताल की खराब व्यवस्था साफ दिख रही है विभाग चौबीस घंटे इलाज की सुविधा का दावा करती है लेकिन हकीकत अलग है यह घटना स्वास्थ्य विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़ी करती है इससे जनता का विश्वास टूटता है साथही अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठे है।

### ड्यूटी पर तैनात स्टाफ़ को नहीं मिली सूचना

यह रात की की घटना है। अस्पताल खुला हुआ था हमारे सभी स्टाफ़ हेड क्वार्टर पर रहते हैं और ऑन कॉल ड्यूटी थी। उस दिन साथ मे आये किसी के भी द्वारा हमारे ड्यूटी में तैनात स्टाफ़ को फोन के माध्यम से सूचना नही की गई। जिसके कारण यह समस्या हुआ है।

**अक्षांश लहरे**
**प्रभारी, पीएचसी सलका**

## जनदर्शन में कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया। आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

## धान खरीदी हेतु एग्रीस्टैक पोर्टल में छूटे खसरों को किसान जल्द कराएं दर्ज : कलेक्टर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले में धान खरीदी जारी है। परंतु धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान अनेक पंजीकृत किसानों के खसरा नंबर एग्रीस्टैक पोर्टल से नहीं जुड़े होने के कारण किसानों को धान विक्रय में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी कृषकों से अपील की है कि वे अपने छूटे हुए खसरा नंबरों को जल्द से जल्द एग्रीस्टैक पोर्टल पर दर्ज कराएं।

उल्लेखनीय है कि जिले के 28385 खसरे अब भी एग्रीस्टैक पोर्टल में नहीं जुड़े हैं। ये खसरे एग्रीस्टैक पोर्टल में नहीं जुड़ने से किसानों को धान विक्रय में असुविधा हो रही है और जब वे धान खरीदी केंद्रों में टोकन कटाने के लिय पहुंच रहे हैं तो उन्हें पूर्ण रकबे पर टोकन कटाने से वंचित होना पड़ रहा हैं। कलेक्टर ने अपने अपील में कहा है कि असुविधा से बचने के लिए सभी किसान नजदीकी लोक सेवा केंद्र में जाकर अपने रकबे को ऑनलाइन दर्ज करवा सकते हैं। साथ ही वर्तमान में सभी धान खरीदी केंद्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। गौरतलब है कि किसानों की इस असुविधा को दूर करने के लिए राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं समिति के कर्मचारी किसानों से लगातार संपर्क कर रहे हैं।

## जिला मिशन समन्वयक ने की शिक्षा विभाग में चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में मंगलवार को विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक यहां बालक माध्यमिक विद्यालय में

आयोजित किया गया। जिसमें जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के द्वारा शिक्षा विभाग में चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षा एवं मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता पर चर्चा किया गया। विद्यालय स्तर पर बच्चों के शैक्षिक स्तर को सुधारने हेतु दिशा निर्देश दिए गए साथ ही अपार आईडी यू डाइस एंट्री पर विशेष जोर देते हुए यह कहा गया कि सभी बच्चों का शत प्रतिशत अपार आईडी बनाने का पूरा प्रयास करें। पलकों से संपर्क कर आवश्यक सुधार जहां आवश्यक हो करें उनका सहयोग करें एवं सभी बच्चों का अपार आईडी बनने पर विशेष ध्यान दें साथ ही विद्यालय स्तर पर कार्य योजना बनाकर कार्य करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। इस समीक्षा बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील पोर्ते बीआरपी सुदर्शन राजवाड़े व सभी संकुल समन्वयक उपस्थित थे।

# पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में उमड़ रही भीड़

### एसएसपी बोले- प्रदर्शनी में कानूनों एवं अपने अधिकार को जाने और कानूनों की जानकारी का उठाए लाभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** नए आपराधिक कानूनों पर कोतवाली परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी को देखने के लिए भीड़ उमड़ रही है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा 27 नवम्बर को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया था, यह प्रदर्शनी 11 दिसम्बर तक संचालित रहेगी। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि नए कानूनों की प्रदर्शनी में प्रतिदिन काफी संख्या में छात्र व नागरिकगण, अधिवक्ता, अधिकारी-कर्मचारी प्रदर्शनी देखने आ रहे हैं, जिनमें स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय के छात्र, जनप्रतिनिधिगण, पंचायत सदस्य और महिला प्रतिनिधि शामिल हैं। यह प्रदर्शनी नए कानूनों की बारीकियों को समझने में मददगार है और अपने अधिकार क्या है उससे अपडेट रहने का अवसर प्रदान करता है कि किस प्रकार सुधारित आपराधिक कानून भारत में पुलिसिंग, जांच और न्यायिक प्रक्रियाओं को नया रूप दे रहे हैं। प्रदर्शनी में आपराधिक न्याय प्रणाली के संचालन का एक इंटरैक्टिव दृश्य प्रस्तुत करता है। चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल ने स्कूली बच्चों को नागरिकों को बताया कि इन कानूनों की सफलता न केवल पुलिस द्वारा उनके कार्यान्वयन पर निर्भर करती है, बल्कि नागरिकों की

जागरूकता और सहयोग पर भी निर्भर करती है।' उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी लोगों को नए कानूनों की प्रति जागरूकता, उनके अधिकारों और ज़िम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करके इस अंतर को पाटने में मदद कर रही है। चौकी प्रभारी सलका उमेश्वरपुर संजय सिंह यादव ने छात्रों, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों को महिलाओं और बच्चों के लिए अलग कानून, डिजिटल अपराध और फॉरेंसिक जांच से जुड़े नए नियम बताते हुए कहा कि अब पुलिस, न्याय पालिका, जेल और अभियोजन को ऑनलाइन जोड़ा गया है। सभी मामलों की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की गई है। सात साल से अधिक पुराने मामलों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से युवा, नागरिक और अधिकारी कर्मचारी सभी नए कानूनों के महत्व और सकारात्मक बदलावों को समझ पा रहे हैं।

प्रदर्शनी में चौकी प्रभारी खड़गवां रघुवंश सिंह ने आगंतुकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उन्हें जानकारी दे रहे हैं। एसएसपी ने एक बार फिर नागरिकों, विशेषकर विभिन्न स्कूलों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों के छात्रों से अपील किया कि इस प्रदर्शनी को देखें और नए कानूनों को जाने, देश की कानून प्रवर्तन और न्यायिक प्रणालियों को आकार देने वाले परिवर्तनकारी विकास के बारे में अपना ज्ञानवर्धन करें। न्याय की ओर मजबूत कदम, न्याय की नई पहचान, नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में कानून को करीब से समझने का यह सुनहरा मौका है।

# विधायक भूलन के निरीक्षण में डुमरिया व मानी खरीदी केंद्र के बंद मिले सीसीटीवी कैमरे

### 0 किसानों से मजदूरी कराने की शिकायत आई सामने 0 प्रबन्धको को विधायक ने जमकर लगाई फटकार, व्यवस्था ठीक करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** मंगलवार को स्थानीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने धान खरीदी केंद्र डुमरिया और मानी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और केंद्र प्रबंधकों को कड़े निर्देश दिए। बताया गया है कि डुमरिया केंद्र में कुल 1115 पंजीकृत किसानों में से 152 किसान अब तक धान बेच चुके हैं जिनसे 6767 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों ने शिकायत किया कि उनसे मजदूरी करवाई जा रही है। इस पर विधायक मरावी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक को फटकार लगाई और कहा कि किसानों से किसी भी प्रकार की मजदूरी नहीं कराई जाए। यदि किसी किसान से मजदूरी करवाई गई है तो उसका भुगतान समिति द्वारा किया जाए। निरीक्षण के दौरान केंद्र के सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए, जिस पर विधायक भड़क गए और

प्रबंधक को चेतावनी देते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि अगर कैमरे बंद मिले तो जिम्मेदार बक्शे नहीं जाएंगे और सीधे कार्रवाई होगी। किसानों ने धान खरीदी की वर्तमान 883 क्विंटल लिमिट बढ़ाने की मांग रखी। जिसपर विधायक श्री मरावी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर से चर्चा की है, जल्द ही लिमिट बढ़ाकर किसानों को राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा हमारे अन्नदाता किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। अगर समिति में किसानों को कोई दिक्कत हुई तो किसान सीधे उनसे संपर्क कर अपनी समस्या बताएं वे तत्काल समाधान की पहल करेंगे। किसानों ने विधायक से रकबे में हुई त्रुटियों को सुधारने की मांग की।

विधायक ने अधिकारियों से तुरंत सुधार करने और कोटवारों के माध्यम से जानकारी गांव-गांव पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को परेशानी न हो। इसी प्रकार मानी केंद्र में 1285 पंजीकृत किसानों में से 130 किसान अब तक धान बेच चुके हैं जिनसे 6840 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। यहां भी किसानों ने प्रतिदिन की खरीदी लिमिट 1111 क्विंटल बढ़ाने की मांग रखी। जिस पर उन्होंने उन्हें लिमिट बडवाने का भरोषा दिलाया है। निरीक्षण के दौरान मानी केंद्र का सीसीटीवी कैमरा भी बंद पाया गया।

इस पर विधायक ने केंद्र प्रबंधक को कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि सीसीटीवी हर समय चालू रहें, निरीक्षण के दौरान प्रेमनगर विधायक के साथ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े, संध्या सिंह, दरोगा सिंह, संतोष सिंह, खेलसाय राजवाड़े, तिलक राजवाड़े, प्रमिला प्रजापति, सागर सिंह, सतनारायण जायसवाल, राजेश राजवाड़े सहित किसान मौजूद रहे।

# बिजली संकट से जूझ रहे बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीण 15 से करेंगे आंदोलन, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** ज़िले के दूरस्थ वनांचल बिहारपुर क्षेत्र में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई ग्राम पंचायतों में महीनों से बिजली आपूर्ति बाधित है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया है। ग्रामीणों, किसानों और विद्यार्थियों ने अब सामूहिक रूप से आवाज़ बुलंद करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। इसी संबंध में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि बिहारपुर क्षेत्र के कोल्हुआ, महुली, करौटी ए, खैरा, मोहरसोप, कछिया, उमझर, खोहिर, रामगढ़, रसोकी आदि कई गांवों के लोग लंबे समय से बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कभी कई-कई दिनों तक बिजली नहीं आती, तो कभी रातभर अंधेरा छाया रहता है। जिससे विद्यार्थी, जिनकी पढ़ाई ठप होकर रह गई है। किसानो को सिंचाई कार्य और कृषि उपकरण चलाने में भारी दिक्कत हो रही है। महिलाओ को रात्रि समय सुरक्षा की कमी का डर बना रहता है। वरिष्ठ नागरिको की दिनचर्या और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ बढ़ गई हैं। रात में अंधेरे के कारण जंगली जानवरों का खतरा भी बढ़ गया है। कई बार हाथी और भालू के गांव में प्रवेश की घटनाएँ हो

चुकी हैं, जिससे लोगों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों और प्रतिनिधियों ने कई बार प्रशासन एवं विद्युत विभाग को समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बार-बार आवेदन करने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। अब हमारे पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। 15 दिसंबर को तहसील ग्राउंड बिहारपुर में बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे है। जिसमे स्थायी बिजली बहाली की मांग को मजबूती से उठाना है। ज्ञापन सौपने वालो में सरपंच संघ ओड़गी ब्लॉक अध्यक्ष गजमोचन सिंह, अध्यक्ष ब्लॉक युवा कांग्रेस जीतेन्द्र साकेत, लक्ष्मण जायसवाल, जिला अध्यक्ष, पंचायत जन सेवा समिति तुलसी जायसवाल -उप सरपंच अवन्तिकापुर शामिल है।

# किसानों की सुध लेने धान खरीदी केंद्रों में पहुंचीं नपा अध्यक्ष

### बोलीं-केंद्रों में अपने मेहनत की उपज बेचने के लिए परेशान है किसान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

**सूरजपुर।** मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित समीपस्थ ग्राम डुमरिया एवं बसदेई धान खरीदी केंद्र में पहुंचकर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े ने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में मौजूद किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना और स्थिति की जानकारी ली। किसानों ने केंद्र में धान बेचने के दौरान हो रही दिक्कतों से श्रीमती राजवाड़े को अवगत कराया। किसानों ने नगर पालिका अध्यक्ष को बताया कि पूर्व वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष उन्हें अपने मेहनत की उपज धान बेचने में काफी दिक्कतें हो रही है। जिससे किसान काफी परेशान हो रहे है। नपा अध्यक्ष श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि खरीदी केंद्रों

में किसानों से चर्चा के दौरान जो बातें सामने आई है वह किसानों के हित मे सही नहीं है। कहीं टोकन नहीं कट पा रहा है जिसको लेकर किसान काफी परेशान नजर आ रहे है साथ ही केंद्रों में किसानों से ही काम कराया जा रहा है और उनको उक्त काम का कोई मेहनताना नहीं मिल पा रहा है साथ ही गिरदावली को लेकर भी काफी समस्या है। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान काफी परेशान व हताश है। उन्हें अपने मेहनत की उपज बेचने में काफी जद्दोजहद करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत छोटे किसानों को हो रही है जिन्हें टोकन के लिए भी भटकना मजबूरी है। निरीक्षण के दौरान नपा अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ पार्षद गैबीनाथ साहू, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू एवं शिवम साहू सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

# कांग्रेस का जांच दल परसोढ़ी कला पहुंचा, जमीन अधिग्रहण के दौरान हुई घटना की जांच की

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** बीते 3 दिसंबर को जमीन अधिग्रहण के दौरान अमेरा खदान में हुए ग्रामीणों और पुलिस के बीच संघर्ष के कारणों को जानने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह के नेतृत्व में गठित 10 सदस्यीय जांच दल ने आज ग्राम परसोढ़ी कला जाकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव जरिता लैतफलांग भी दल के साथ मौजूद थी। ग्रामीणों से चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि 3 दिसंबर को अधिग्रहण के लिए एसईसीएल और प्रशासन की कार्रवाई बिना किसी पूर्व सूचना के हुई थी। इस संघर्ष के उपरांत गिरफ्तार हुई महिलाओं ने जानकारी दी कि अधिग्रहण के लिए अचानक पहुंचे पुलिस बल के पुरुषों ने खेतों में काम कर रही इन महिलाओं के साथ मारपीट कर उन्हें हटाने का प्रयास किया और गांव के देवस्थान को तोड़ा, फिर मौजूद ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किया, जिससे संघर्ष की शुरुआत हुई। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से कहा कि वे अपनी जमीने एसईसीएल को नहीं देंगे। मंत्री राजेश अग्रवाल के द्वारा मीडिया को दिए गए इस बयान को भी ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से खारिज किया कि जमीन हस्तांतरण को लेकर उनके और एसईसीएल के बीच सहमति बन गई है। बातचीत में यह स्पष्ट हुआ कि अमेरा के अनुभव को लेकर ग्रामीणों में एसईसीएल के प्रति अविश्वास है। वायदे के बावजूद एसईसीएल ने अमेरा में न तो नौकरी दी न ही उचित मुआवजा दिया न ही सीएसआर मद में कोई कार्य किया। इस पर तंज कसते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव ने इसे चमचा रेट सेटिंग्स घोषित कर जमीन हड़पने का उपाय बताया।

## जेल जाने वाली महिलाओं का सम्मान

संघर्ष की घटना के बाद जेल भेजी गई महिलाओं का कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव जरिता लैतफलांग ने हार पहना कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का स्पष्ट निर्देश है कि कांग्रेस को आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, किसान, महिला, युवा, पिछड़े, कमजोर वर्ग के हर संघर्ष में पूरी ताकत के साथ खड़े होना है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि सरकार इन वर्गों के जल, जंगल, जमीन को छीनकर उन्हें बेरोजगार बना रही है। जांच दल में शामिल विधायक जनकलाल ध्रुव ने अपने हक के लिए संघर्ष करने वाली परसोढीकला की महिलाओं को दुर्गा की संज्ञा दी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पर तंज करते हुए उन्हें मोदी और शाह का कठपुतली कह दिया। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी होने के बावजूद उनका प्रशासन आदिवासियों पर लाठी बरसा रहा है।

## शांतिपूर्ण आंदोलन के साथ न्यायालय का रुख करेगी कांग्रेस

कांग्रेस की जांच दल के प्रमुख पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि ग्रामीणों के हर शांतिपूर्ण संघर्ष में कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों को अवगत कराया कि उनके जमीन को बचाने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री इस पूरे मामले को न्यायालय में ले जाने के लिए वकीलों से विचार विमर्श कर रहे हैं। जांच दल में शामिल विधायक इन्द्रशाह मंडावी ने कहा टीएस बाबा के विधायक रहते तक आपको परेशानी नहीं हुई। ये सरकार आप लोग के लिए नहीं हैं, ये गरीबों की नहीं सुनती है। ये अडानी और अम्बानी की रिश्तेदार है। पूरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ है। इस दौरान जांच दल के सदस्य के रूप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मधु सिंह, मुनेश्वर राजवाड़े, अनिमा केरकेट्टा भी मौजूद थे।

# 16 दिसंबर से प्रारंभ होंगी विश्वविद्यालय की परीक्षाये

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली सेमेस्टर परीक्षा, दिसंबर 2025 के लिए विश्वविद्यालय के पोर्टल में ऑनलाइन परीक्षा आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025 तक निर्धारित की गई थी। लगभग एक माह तक परीक्षा आवेदन करने के लिए परीक्षार्थियों को अवसर दिया गया जिसका परिणाम यह हुआ कि परीक्षार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है स्वाध्याय परीक्षार्थियों की संख्या में भी लगभग 2000 की वृद्धि हुई है। परीक्षा की समय सारणी भी 4 दिसंबर 2025 को घोषित कर दी गई है। परीक्षाएं 16 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होगा। परीक्षा आयोजन करने के लिए 55 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। विश्वविद्यालय से महाविद्यालयों को परीक्षा सामग्री प्रेषित किया जा रहा है। परीक्षा केंद्रों में परीक्षा के संचालन के लिए केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति के लिए महाविद्यालय से प्रस्ताव मांगे गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं की आवश्यकता के संबंध में भी जानकारी महाविद्यालयों एवं परीक्षा केंद्रों से मांगी गई है। इस सत्र में 45460 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे जो कि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15000 ज्यादा है। स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की संख्या में भी 2000 परीक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं होगी, जिसमें नियमित, भूतपूर्व एवं एटीकेटी/बैकलॉग परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। सीबीसीएस सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित, भूतपूर्व एवं एटीकेटी परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

# सरगुजा को एजुकेशन हब बनाने की मांग, छात्रों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** उत्तरी छत्तीसगढ़ के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर आज़ाद सेवा संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर में उच्च-प्रोफ़ाइल राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्थायी और अनिवार्य परीक्षा केंद्र स्थापित करने की माँग की है।

### *मांग की वजहें*

वर्तमान में यूपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, सीजीपीएससी मुख्य परीक्षा, गेट, ईएसई, जेईई-एडवांस्ड, आईबीपीएस/एसबीआई मेन्स, और यूजीसी/सीएसआईआर नेट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के केंद्र केवल राज्य के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई तक ही सीमित हैं। इस केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था के कारण सरगुजा संभाग के छात्रों को परीक्षा देने के लिए 400 से 500 किलोमीटर तक की लंबी और थका देने वाली यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें आर्थिक और शारीरिक बोझ उठाना पड़ता है।

### *अम्बिकापुर में परीक्षा केंद्र स्थापना का औचित्य*

अम्बिकापुर में कई प्रतिष्ठित राज्य पोषित उच्च शिक्षा संस्थान मौजूद हैं। यहाँ आवश्यक शैक्षणिक भवनों, विशाल व्याख्यान कक्षों, और अत्याधुनिक कंप्यूटर आधारित परीक्षण (सीबीटी) प्रयोगशालाओं सहित पर्याप्त मात्रा में भौतिक अवसंरचना उपलब्ध है।

### *आज़ाद सेवा संघ की अपील*

संघ ने मुख्यमंत्री महोदय से विनम्र किंतु दृढ़ अनुरोध करते हुए कहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से इस संवेदनशील विषय का संज्ञान लें। संघ ने माँग की है कि संबंधित उच्च शिक्षा और भर्ती एजेंसियों को तत्काल निर्देश दिए जाएँ, ताकि आगामी सत्र से ही अम्बिकापुर को सभी प्रमुख परीक्षाओं के लिए स्थायी केंद्र के रूप में शामिल किया जा सके।

## सलका अघिना बाजार में बेकाबू स्कॉर्पियो का कहर

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सलका अघिना के साप्ताहिक बाजार में सोमवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। भीड़भाड़ वाले इलाके में वाहन के घुसते ही लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हादसे में कई लोग बाल-बाल बच गए और किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं मिली है। घटना पूरी तरह बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें वाहन को तेज गति से गुजरते हुए साफ देखा जा सकता है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि उस समय बाजार में भारी भीड़ थी, जिससे स्थिति और खतरनाक हो सकती थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

# प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत किया जा रहा है ग्राम पंचायतों में रात्रि चौपाल का आयोजन

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण में गति लाने एवं हितग्राहियों के समस्या का निवारण करने हेतु ग्राम पंचायतों में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान स्वीकृत सभी आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं समय सीमा में आवास पूर्ण कराने हेतु लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में आयोजित आवास चौपाल में तकनीकी अधिकारियों द्वारा वर्ष 2024-25 के अपूर्ण आवास एवं वर्ष 2025-26 के प्रथम किस्त प्राप्त हितग्राहियों को किस्त की जानकारी देना, सभी आवास निर्माण कार्य प्रारंभ कराना,

योजना के तहत कन्वर्जेन्स के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभ की जानकारी दी जा रही है। साथ ही आवास निर्माण की तकनीकी जानकारी भी प्रदान कर हितग्राहियों को आवास हेतु अनाधिकृत वसूली हेतु सावधान किया जा रहा है। चौपाल में तकनीकी अधिकारियों सहित हितग्राही, राजमिस्त्री, निर्माण सामग्री सप्लायर, सरपंच, सचिव व अन्य संबंधित शामिल हो रहे हैं।

# परसा विद्यालय के 6 छात्रों की राष्ट्रीय पत्रिका में धमाकेदार एंट्री

**छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सरगुजा संभाग के लिए गर्व का क्षण एक बार फिर आया है। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परसा के छह विद्यार्थियों के लेख राष्ट्रीय स्तर की बाल विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। इस शानदार उपलब्धि के केंद्र में हैं विद्यालय की समर्पित शिक्षिका आराधना तिवारी, जिनके सतत मार्गदर्शन और नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों ने बच्चों की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया है।

खास बात यह है कि यह कोई पहली सफलता नहीं है। पिछले वर्ष भी इसी विद्यालय के लगभग 12 विद्यार्थियों के लेख लगातार पांच महीनों तक राष्ट्रीय पत्रिका में चयनित हुए थे। इस निरंतर सफलता का श्रेय शिक्षिका आराधना तिवारी की दूरदृष्टि, अनुशासन और रचनात्मक प्रयासों को जाता है। आराधना तिवारी ने बताया कि यह सफलता जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संचालित रचनात्मक लेखन कार्यक्रम की सतत प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें बच्चों को सोचने, लिखने और नए विचार प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय में पदस्थ नवनियुक्त शिक्षक प्रिंस गुप्ता, आदित्य वर्मा, डेविस साहू और अजय कुमार कश्यप भी आधुनिक शिक्षण तकनीकों और प्रायोगिक कार्यों के माध्यम से बच्चों की विषयगत समझ को मजबूत कर रहे हैं।खास बात यह है कि विद्यालय में पिछले दो वर्षों से हर माह प्रकाशित होने वाली दीवार पत्रिका अभिव्यक्ति बच्चों की रचनात्मकता को नया मंच दे रही है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब बच्चे स्वयं ही रचनाओं का चयन कर पत्रिका के संपादन तक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। विद्यालय के प्रधान पाठक अजीत कुमार सिंह ने इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों एवं विशेष रूप से शिक्षिका आराधना तिवारी को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। यह उपलब्धि न सिर्फ परसा विद्यालय बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के शैक्षणिक क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम साबित हो रही है।

# कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुई, समस्त अधिकारियों ने सामूहिक गायन किया। कलेक्टर भोसकर के निर्देशानुसार अब प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली समय सीमा की बैठक में इसी प्रकार राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का गायन किया जाएगा। समय सीमा की बैठक में सर्वप्रथम कलेक्टर भोसकर ने एसआईआर कार्य के प्रगति की

समीक्षा करते हुए कहा कि 11 दिसम्बर तक गणना प्रपत्रों के कलेक्शन एवं डिजिटाइजेशन के शत-प्रतिशत सत्यापन कार्य पूर्ण किया जाना है, इसलिए प्राथमिकता के साथ गम्भीरतापूर्ण ढंग से कार्य किए जाएं। इस दौरान कलेक्टर भोसकर ने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान अनेक पंजीकृत किसानों के खसरा नंबर एग्रीस्टैक पोर्टल से नहीं जुड़े होने के कारण किसानों को धान विक्रय में समस्या हो रही है। इसलिए अधिकारी जल्द से जल्द एग्रीस्टैक पोर्टल पर दर्ज कराने कृषकों को प्रेरित करें, सभी धान खरीदी केंद्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराएं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, अधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन कटवाने में किसी प्रकार की समस्या ना हो। खरीदी सुचारू, पारदर्शी तथा समयबद्ध रूप से संचालित रहे। उन्होंने धान खरीदी से संबंधित सभी अधिकारियों को खरीदी केंद्रों के नियमित निरीक्षण हेतु निर्देशित किया। बैठक में उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को कहा कि बच्चों को मिड डे मील में गुणवत्तायुक्त पौष्टिक भोजन दिया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पीएम आवास योजना के प्रगति, कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सरस्वती बीएड कॉलेज के छात्रों ने सरगुजा पुलिस द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन

**छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** सरस्वती बीएड कॉलेज अंबिकापुर के छात्रों ने सरगुजा पुलिस द्वारा लगाई गई नए कानून की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विद्यालय के क़रीब 100 से अधिक छात्रों ने उत्सुकता पूर्वक प्रश्न पूछते हुए विभिन्न क़ानूनी प्रावधान समझें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नए कानून की जानकारी के लिए स्थानीय कला केंद्र मैदान में प्रदर्शनी लगाई गई है। जिसमे सरस्वती बी एड कॉलेज के छात्र- छात्राओं को आमंत्रित करके पूरे प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों की सुरक्षा, डिजिटल अपराध में

आवश्यक साक्ष्य, आम जनता के हितों की रक्षा के लिए भारतीय न्याय संहिता में दिए गए प्रावधानों की महत्ता समझाया गया तथा उप निरीक्षक अभय तिवारी द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, साइबर अपराध, यातायात नियम एवं नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दिया गया। सरगुजा नव विहान की टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन दिए। जहाँ करीब 100 विद्यार्थियों के साथ शिक्षक नितेश यादव, शिक्षिका गोल्डन सिंह, मिथलेश गुर्जर, सीमा बंजारे, पूजा रानी, अर्चना, नव विहान से वरिष्ठ समाज सेवक अजय तिवारी, वंदना दत्ता, सुनिधि शुक्ल, मंगल पांडेय, अनिल मिश्रा उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 ( छत्तीसगढ़ ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर